

संक्षिप्त खबरें

उपराष्ट्रपति 26-27 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे



नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 26-27 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार उपराष्ट्रपति विजयवाड़ा में डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की 40वीं (रूबी जयंती) वर्षगांठ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यात्रा के दौरान वह तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर और तिरुचानूर में पद्मावती अम्मावरी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

पहलगाम और गुलमर्ग में इस मौसम का पहला शून्य से नीचे का न्यूनतम तापमान दर्ज

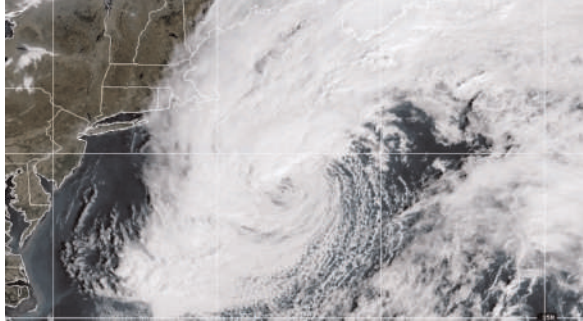


श्रीनगर। पहलगाम और गुलमर्ग जैसे पर्यटन स्थलों पर इस मौसम का पहला शून्य से नीचे का न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। यहां तापमान क्रमशः माइनस 0.3 डिग्री सेल्सियस और माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार पहलगाम में न्यूनतम तापमान माइनस 0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग में यह माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस रहा। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि काजीगुंड में यह 0.0 डिग्री सेल्सियस रहा। कोकरनाग में न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि जम्मू संभाग के बनिहाल में यह 3.7 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने रविवार को बताया कि 24 अक्टूबर को दर्ज किया गया अधिकतम तापमान अधिकांश स्टेशनों पर सामान्य से नीचे रहा। गुलमर्ग में सबसे अधिक तापमान सामान्य से 5.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। इसके बाद कोकरनाग में सामान्य से 5.2 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 31 अक्टूबर तक पूरे जम्मू-कश्मीर में आम तौर पर शुष्क मौसम की भविष्यवाणी की है। 1 से 3 नवंबर तक मैदानी इलाकों में हल्की बारिश और ऊंचे स्थानों पर हल्की बर्फबारी के साथ आम तौर पर बादल छाए रहने की संभावना है।

बिभा संवाददाता

रंची। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के क्षेत्र के भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना के बीच झारखंड में 27 से 30 अक्टूबर तक मौसम का मिजाज बदल सकता है। इसके प्रभाव से राज्य के विभिन्न जिलों में बारिश, तेज हवा और वज्रपात की आशंका है। मौसम विभाग ने 27 और 30 अक्टूबर के लिए येलो अलर्ट, जबकि 28 और 29 अक्टूबर को भारी बारिश और आंधी-वज्रपात की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी-

मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र फिलहाल श्री विजयपुरम (अंडमान द्वीप समूह) से लगभग 440 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पश्चिम, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 880 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व, काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) से 980 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व, मछलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से 1,080 किलोमीटर पूर्व और बापटला (आंध्र प्रदेश) से 1,150 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। इसके पहले गहरे अवदाब (डीप डिप्रेशन) में बदलने और फिर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे



बढ़ते हुए 26 अक्टूबर की सुबह तक चक्रवाती तूफान का रूप लेने की प्रबल संभावना है। इसके बाद 27 अक्टूबर की सुबह तक यह पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी में भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, चक्रवाती तूफान के उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए और अधिक शक्तिशाली होकर अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान का रूप लेने की संभावना है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह तक आंध्र प्रदेश

साइबर अपराधियों से बैंकिंग व्यवस्था की सुरक्षा जरूरी : पीएम नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भुवनेश्वर में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ये दोनों सुविधाएं देश की बैंकिंग व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, कुशल और भरोसेमंद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत विकसित भारत का सशक्त विकास इंजन बन रहा है और ओडिशा प्राकृतिक संसाधनों के साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ओडिशा में रजिज आधारित उद्योगों के विस्तार के साथ सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स का नया इकोसिस्टम विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य में डेटा सेंटर और एडवांस्ड कंप्यूटिंग के क्षेत्र में निवेश की नई संभावनाएं बन रही हैं, जो युवाओं के लिए रोजगार और विकास के नए अवसर खोलेंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि



ओडिशा ह्यामाईस से माइक्रोचिप्स तक ह्व विकास की नई कहानी लिखेगा। इस अवसर पर ओडिशा के राज्यपाल ब्रजमोहन राम, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री जुएल ओरांव, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा तथा उपमुख्यमंत्री प्रभाती परिडा और कनक वर्धन सिंह देव सहित बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भुवनेश्वर में आरबीआई की इन नई सुविधाओं का उद्घाटन इस बात का प्रमाण है कि देश में शासन की कार्यप्रणाली

तेजी से बदल रही है। सरकार की प्राथमिकता विकास को व्यापक बनाना और उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश के बड़े शहरों में बड़े अस्पताल, हवाई अड्डे और संस्थान विकसित हुए, लेकिन छोटे शहरों तथा दूरदराज के क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना रहा। बेहतर इलाज के लिए लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी और अनेक गांवों में सड़क, बिजली तथा पानी जैसी सुविधाएं भी बड़ी चुनौती थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने इस दृष्टिकोण को बदलने

का प्रयास किया है। सरकार ह्यप्रो-पीपल, प्रो-एक्टिव और गुड गवर्नेंसह्व के मॉडल पर काम कर रही है। विकास का अर्थ भारत का संतुलित विकास है, जिसमें गांवों और छोटे शहरों को भी समान अवसर मिलें तथा दूरदराज के क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि आज एक्सप्रेसवे छोटे शहरों को जोड़ रहे हैं, एम्स जैसे संस्थानों का विस्तार हो रहा है, छोटे शहरों में मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं और गांवों में लगभग पौने दो लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी का विस्तार भी इसी परिवर्तन का हिस्सा है। सुशासन का वास्तविक उद्देश्य नागरिकों का जीवन आसान बनाना और उनके सपनों को नए अवसर देना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों तक गरीबों और मध्यम वर्ग को बैंकिंग सुविधाओं से वंचित रहना पड़ा। बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बावजूद वर्ष 2014 तक देश की आधी से अधिक आबादी बैंकिंग व्यवस्था

से बाहर थी। बैंक से ऋण लेना गरीबों, छोटे किसानों, भूमिहीन परिवारों और महिलाओं के लिए कठिन था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2014 से पहले फोन बैंकिंग के माध्यम से राजनीतिक संपर्क रखने वाले चुनिंदा लोगों को हजारों करोड़ रुपये के ऋण दिए जाते थे, जबकि सामान्य परिवारों को बैंक खाता खलवाने के लिए भी गारंटर की जरूरत पड़ती थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस व्यवस्था के कारण बैंकिंग प्रणाली गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) के संकट में फंस गई थी। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया के नए इकोसिस्टम ने बैंकिंग सेवाओं को देश के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से लोग चौबीसों घंटे बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। पहले फोन बैंकिंग से चुनिंदा परिवारों को लाभ मिलता था, जबकि आज डिजिटल बैंकिंग ने देश के हर परिवार के लिए अवसर बढ़ाए हैं।

राहुल ने 1 नवंबर को होने वाली 'वोट बचाओ - देश बचाओ' रैली में शामिल होने का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मतदाता सूची से कथित तौर पर नाम हटाए जाने तथा धांधली के आरोपों को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव प्रणाली पर करारा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए देशवासियों से एकजुट होने की अपील करते हुए एक नवंबर को दिल्ली स्थित रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ - देश बचाओ' जन मार्च और मेगा रैली का आह्वान



किया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश में मतदाताओं के वोट चुराए जा रहे हैं और इसके लिए नियमों तथा कानूनों को ताक पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि जब जनता और

विपक्ष इस पर सवाल उठाते हैं, तो उन पर लाटियां बरसाई जाती हैं। इसे किसी भी हाल में चुपचाप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अब देश इसका जवाब देगा। राहुल गांधी ने एक नवंबर को आयोजित होने वाले इस जन मार्च और रैली के लिए समाज के सभी वर्गों से शामिल होने का आग्रह किया है। उन्होंने विशेष रूप से छात्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों को आमंत्रित करते हुए कहा, जिसे भी लोकतंत्र की परवाह है, उसे

जरूर आना चाहिए। वोट आपका है, और इसे बचाने की लड़ाई भी आपकी है। राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों पर तीखा तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि भाजपा और उनके साथी जिस तरह से इस कार्यक्रम का प्रचार कर रहे हैं और इसे लोगों तक पहुंचा रहे हैं, उसके लिए उनका शुक्रिया। उन्होंने समर्थकों से अगले सात दिनों तक इसी जोश और लानत को बनाए रखने की अपील की है।

दो बड़े संघर्षों की कीमत चुका रही है दुनिया, भारत की आवाज है वैश्विक भावना: जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार को कहा है कि दुनिया आज दो बड़े संघर्षों- यूक्रेन और पश्चिम एशिया में उलझी है और इसकी सबसे बड़ी कीमत वे समाज और अर्थव्यवस्थाएं चुका रही हैं जिनका इन संघर्षों से कोई लेना-देना नहीं है। ऐसे में हम असहाय दर्शक बनकर नहीं रह सकते। भारत संवाद और कूटनीति पर बल देकर असल में वैश्विक भावना को व्यक्त करता है और इस दिशा में अन्य साझेदारों के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। विन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने आज कहा कि जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं, वैश्वीकृत



बाजारों और साझा संसाधनों के युग में दुनिया आधी समृद्ध और आधी वंचित रहकर प्रगति नहीं कर सकती। यह निरंतर अस्थिरता बनाये रखने का ही माध्यम है। मंत्री ने अपने वक्तव्य में आतंकवाद को शांति के लिए घातक खतरा बताया और कहा कि कुछ देश आज भी राजनीतिक गणना को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की नीति के हथियार के रूप में इसका इस्तेमाल अस्वीकार्य है। इसे कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। जयशंकर ने कहा कि दुनिया को इस

साझा खतरे के प्रति अधिक जागरूक होना होगा और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ मजबूत संकल्प के साथ एकजुट होना होगा। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र दिवस के अवसर पर कहा कि मानवता में प्रतिस्पर्धा और सहयोग को लेकर हमेशा बहस रही है। वैश्विक स्तर पर यह देशों के आपसी संबंधों में दिखाई देती है। आठ दशक पहले संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ने सामूहिक सहयोग की भावना को अभिव्यक्त किया। संयुक्त राष्ट्र दिवस (24 अक्टूबर) पर एकजुटता को बढ़ावा देना जरूरी है क्योंकि वैश्विक चुनौतियों और अवसरों का प्रभावी समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

मन की बात: प्रधानमंत्री ने किया नरिंदर सिंह कपानी और भाई परमानंद को याद

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के माध्यम से फाइबर ऑप्टिक्स के जनक नरिंदर सिंह कपानी (जयंती-31 अक्टूबर) और गदर पार्टी के संस्थापक सदस्य भाई परमानंद (जयंती-4 नवंबर) को याद किया। उन्होंने युवाओं से देश की महान विभूतियों के बारे में पढ़ने और उनसे सीखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने लोगों से 31 अक्टूबर को रन फॉर यूनिटी में भाग लेने की अपील की और उन्हें आगामी त्योहारों की शुभकामनायें भी दीं। इसके साथ प्रधानमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि को श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनकी रचित रामायण अपनी शाश्वत ज्ञान और शिक्षाओं से पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है। रामायण हमें निरंतर प्रयास करते रहने और सेवा,



करुणा और सामाजिक समरसता का महत्व समझाती है। प्रधानमंत्री मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को 12 वर्ष पूरे हो गए हैं। विजयदशमी के अवसर पर 12 वर्ष पहले उन्होंने रेडियो को लोगों से संवाद करने का माध्यम चुना था। प्रधानमंत्री ने इन वर्षों की अपनी संवाद यात्रा को लोगों के प्रयासों को जानने की तीर्थयात्रा बताया। 139वें एपीसोड में आज प्रधानमंत्री ने कहा, हमेंरे लिए मन की बात किसी तीर्थयात्रा से कम नहीं है, यह हमारे



लोगों के प्रयासों को गहराई से समझने और उनके योगदान को सलाम करने की यात्रा है ह्व प्रधानमंत्री ने नरिंदर सिंह कपानी को याद करते हुए आज कहा कि उनके अग्रणी कार्य ने आधुनिक संचार को बदल दिया। उन्हें दुनिया फादर ऑफ फाइबर ऑप्टिक्स के रूप में जानती है। उनका जन्म पंजाब के मोगा जिले में हुआ था। उनके शोधकार्य ने संवाद की दुनिया को नई दिशा दी। आज का इंटरनेट और डिजिटल संवाद उसकी कल्पना के बिना संभव नहीं था।

उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी भाई परमानंद का स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन साहस, त्याग और राष्ट्रसेवा की मिसाल है। स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। आर्य समाज से गहरे जुड़ाव ने उन्हें प्रेरित किया। वे दक्षिण अफ्रीका और गुयाना में भी आर्य समाज के कार्यों से जुड़े रहे। दक्षिण अफ्रीका में उनकी मुलाकात महात्मा गांधी से हुई। वे गदर पार्टी के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे और उन्होंने लाला हरदयाल को अमेरिका जाने के लिए प्रेरित किया। प्रधानमंत्री हर बार की तरह इस बार भी मन की बात में कुछ प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं। इसमें से एक पंजाब में पारंपरिक कृषि पद्धतियों को पुनर्जीवित करने की दिशा में की जा रही पहल भी शामिल थी। उन्होंने बताया कि पंजाब में खेती विरासत

कार्यसमिति बैठक का दूसरा दिन : भाजपा के राजनीतिक प्रस्ताव-02 में झारखंड सरकार की नीतियों के खिलाफ संघर्ष तेज करने का संकल्प

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के सुकरुहट्ट स्थित हवेली बैक्वेट हॉल में आयोजित भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के दूसरे दिन रविवार को राजनीतिक प्रस्ताव-2 को पटल पर रखा गया। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस राजनीतिक प्रस्ताव-2 को प्रस्तुत किया, जबकि इस प्रस्ताव का अनुमोदन पूर्व मुख्यमंत्री चंघई सोरेन, मधु कोड़ा, विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी एवं मंजू कुमारी ने किया। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में हेमंत सरकार की जनविरोधी नीतियों से जुड़े मुद्दों को विस्तार से उठाते हुए राजनीतिक प्रस्ताव-2 को सर्वसम्मति से पारित किया गया। कार्यसमिति का यह राजनीतिक प्रस्ताव-2 हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार की



हर मोर्चे पर विफलता, चुनावी वादाखिलाफी, बिगड़ती कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा में नाकामी, घुसपैट, खनिज संपदाओं की लूट, युवाओं-छात्राओं के साथ धोखा एवं आदिवासियों के उत्पीड़न जैसे गंभीर मुद्दों पर केंद्रित है। प्रस्ताव में राज्य सरकार की नीतियों और कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, युवाओं एवं छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ और

जनहित की अन्देखी के विरुद्ध संघर्ष को तेज करने का संकल्प व्यक्त किया गया। दो दिनों के गहरे मंथन और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मिले मार्गदर्शन के बाद नई ऊर्जा एवं उत्साह से भाजपा कार्यकर्ता पूरी तरह लबरेज दिखे। राजनीतिक प्रस्ताव पेश करते हुए नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राजनीतिक प्रस्ताव में लिखित बातों को लेकर कोई भी राजनीतिक दल

जनता की बीच जाती है। मरांडी ने कहा कि देश के आजादी की लड़ाई में झारखंड के सभी इलाकों में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने महती भूमिका निभाई और कुर्बानियां दी। वे सभी जल, जंगल, जमीन और न्याय की लड़ाई लड़ी। लेकिन कांग्रेस ने देश में एक लंबे समय तक सरकार चलाई और आज भी झारखंड में उनकी ही सरकार है, ये लोग जल, जंगल और जमीन का सिर्फ नारा दिया, लेकिन किसी ने महापुरुषों को सम्मानित नहीं किया। अगर इन महानायकों को भाजपा के अटल बिहारी बाजपेयी और नरेंद्र मोदी की सरकार ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के योद्धा और अगुआ रहे भगवान बिरसा मुंडा की शहादत को देश की जनता को जानकारी हो इसलिए प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी ने उनके जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेकर उनको सम्मान दिया। वहीं धरती आबा को कांग्रेस ने कहीं भी एक जगह तक नहीं दी, जहां उनका संग्रहालय या स्मारक बनाया जा सके। भाजपा की सरकार ने उन्हें सम्मान देते हुए रांची हवाई अड्डा का नामकरण उनके नाम पर किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे पहले प्रधानमंत्री थे जिन्होंने बिरसा मुंडा की जन्मस्थली जाकर उनको नमन किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि राजनीतिक प्रस्ताव अनिवार्य है, क्योंकि वर्तमान सरकार की लूट, अराजकता को जवाब देना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का उद्देश्य सिर्फ लूट और भ्रष्टाचार को अंजाम देना है। हर

योजना में लूट मची हुई है। विधवाओं और वृद्धजनों का पेंशन तक बंद है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राज्य की 10 हजार प्राथमिक स्कूलों के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। यह सरकार आज हर क्षेत्र में फेल हो चुकी है। इस सरकार ने अबुआ आवास, हरा राशन कार्ड को भी आज बन्द कर दिया है। राज्य का अंचल कार्यालय लूट का अड्डा बना हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि झारखंड की हेमन्त सोरेन की सरकार ने लोकतंत्र को लुटतंत्र में बदल दिया है। इस बात को इस राजनीतिक प्रस्ताव में प्रमुखता से इस बात को रेखांकित किया गया है उसका हम सभी परंपर समर्थन करते हैं। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने छात्रों के समर्थन में सरकार से उत्करणे का काम

किया, जिसका परिणाम रहा कि सरकार की ओर से वार्ता की गई और छात्रों पर झुठे मुकदमे दर्ज होना बन्द हुआ। इस अबुआ सरकार में सबसे ज्यादा आदिवासी समाज पीड़ित है। प्रस्ताव के समर्थन में गढ़वा के विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी और मंजू कुमारी ने भी झारखंड की वर्तमान सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य की जनता इस सरकार के कुशासन से मुक्त होना चाहती है। प्रस्ताव के मुख्य बातें प्रस्ताव में कहा गया है कि झारखंड के अमर बलिदानियों की पावन धरती आज झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन सरकार के कुशासन, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बदहाल कानून-व्यवस्था से आहत है। भाजपा के संघर्ष और जनआकांक्षाओं से अस्तित्व में आए

झारखंड की अस्मिता को वर्तमान सरकार की वादाखिलाफी और जनविरोधी नीतियों ने गहरी चोट पहुंचाई है। भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता, बुनियादी सुविधाओं का अभाव और प्रशासनिक संवेदनहीनता ने जनता की उम्मीदों को झकझोर दिया है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति इस जनविरोधी सरकार के विरुद्ध जनआवाज को बुलंद करते हुए व्यापक जनसंघर्ष का संकल्प लेती है। भाजपा का दृढ़ विश्वास है कि झारखंड का भविष्य भ्रष्टाचार और कुशासन में नहीं, बल्कि सुशासन, रोजगार, बेहतर शिक्षा, सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था और पारदर्शी प्रशासन में निहित है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब विकसित झारखंड का संकल्प पूरा होगा।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा प्रदेश कार्य समिति की बैठक में प्रदेश प्रवक्ता अमर सिंह ने रखी अपनी बात

जमशेदपुर(बिभा): भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भाजपा प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर हमने उपस्थित सभी गणमान्य राष्ट्रीय नेताओं के समक्ष अपनी बातों को जोरदार ढंग से बताने की असंलियत जनता के बीच जाकर बताने की आवश्यकता एफसीआरए की असंलियत क्या है? हमे जनता के बीच जाकर बताने की आवश्यकता है। यह सारा उपद्रव कांग्रेस द्वारा धर्म परिवर्तन पर रोक इसका एक मूल कारण है। जनता को अच्छे तरह समझाने की आवश्यकता है। बालू चोरी को सिंडिकेट बनाकर लूटा जा रहा है। गरीबों का पक्का मकान अब एक सपना हो चुका है। सोरे मिनरल्स लुटे जा रहे है। सरकार एफडीआरए लूट की राजनीति कर रही है। अपने मिनरल को खुद लुट रही है। पार्टी ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। इस प्रस्ताव को भी पास किया है।

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के जिला कार्यालय का साकची में उद्घाटन



जमशेदपुर(बिभा):। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन, पूर्वी सिंहभूम के नवनिर्मित जिला कार्यालय का उद्घाटन साकची स्थित टीएम-13 नंबर गद्दी के प्रथम तल पर किया गया। कार्यालय का नामकरण स्वर्गीय अशोक साव कक्ष के रूप में किया गया है। उद्घाटन समारोह में महासंगठन के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार निलेश मुख्य अतिथि एवं उद्घाटनकर्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत साकची स्थित शीतला मंदिर से ढोल-नगाड़ों के साथ निकाली गई भव्य शोभायात्रा से हुई। इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष महेश लाल, राजनीतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज साव, लोहरदगा जिला अध्यक्ष अदित साव, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र, जिला कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र, शिलोचन साहू और रामगोपाल जायसवाल सहित प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार निलेश ने समाज के लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित जिला कार्यालय समाज के लोगों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही यह कार्यालय सामाजिक एकता, संगठनात्मक मजबूती और समाज की शक्ति का केंद्र बनेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला अध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में परमानंद साव, रंगनाथ प्रसाद, चंद्रिका प्रसाद, पप्पू कुमार, शिव शंकर साव, विदेशी साव, नरेश कुमार साव सहित सैकड़ों समाज बंधुओं का सराहनीय सहयोग रहा।

दुआ फाउंडेशन ने लगाया रक्तदान शिविर, युवाओं ने उत्साहपूर्वक किया रक्तदान

रांची(बिभा): मानवता की सेवा और जरूरतमंद मरीजों की जीवन रक्षा के उद्देश्य से दुआ फाउंडेशन द्वारा डोरंडा स्थित अबैडकर चौक (हाई कोर्ट के समीप) में एक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में स्थानीय युवाओं और रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और रक्तदान किया। इस अवसर पर दुआ फाउंडेशन के संस्थापक हमजा रयान अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित रहे। साथ ही कांग्रेस छात्र संगठन के प्रदेश प्रवक्ता तल्हा अफ़जो भी विशेष रूप से मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना और अस्पतालों में आपात स्थिति के दौरान रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों के लिए पर्याप्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। फाउंडेशन ने शिविर को सफल बनाने के लिए सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों और गणमान्य नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कुआं में गिरने से वृद्धा की मौत खूंटी(बिभा)। कर्रा प्रखंड के जोजोदाग गांव में रविवार को कुएं में गिरने से एक वृद्धा की मौत हो गई। मृतका की पहचान बहामुनी आईद (पति चंद्रिका पहान) के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बहामुनी आईद रविवार को घर से साप्ताहिक जम्हार बाजार जाने की बात कहकर पैदल निकली थीं। वह पगडंडी के रास्ते जा रही थीं। इस दौरान खेतों में काम कर रहे किसानों ने उन्हें रास्ते से गुजरते देखा था। दोपहर करीब दो बजे किसानों की नजर कुएं में गिरी वृद्धा पर पड़ी। इसके बाद घटना की जानकारी आसपास के लोगों को दी गई। सूचना मिलने पर जरियागढ़ पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराया और बाद में परिजनों को सौंप दिया। वृद्धा किन परिस्थितियों में कुएं में गिरी, इसका स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सरना धर्मावलंबियों के लिए अलग जमीन देने पर सहमति

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड स्थित ऐतिहासिक महादानी मैदान एवं सरना पूजन स्थल को लेकर पिछले डेढ़ वर्षों से चले आ रहे विवाद का रविवार को ग्रामसभा के माध्यम से समाधान निकाला गया। बैठक में सभी पक्षों की सहमति से महादानी मैदान और सभी धर्मों के पूजा स्थलों को यथावत रखने का निर्णय लिया गया। वहीं, सरना धर्मावलंबियों के लिए सरना स्थल के उत्तर दिशा में अलग जमीन उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। उपस्थित ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से इस निर्णय का समर्थन किया। ग्रामसभा में निर्णय लिया गया कि महादानी मैदान में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं किया जाएगा। साथ ही सभी धर्मों के पूजा स्थलों



की वर्तमान स्थिति बरकरार रखी जाएगी। बैठक में क्षेत्र में शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारा बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। विवाद के दौरान जिन लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं, उनके भविष्य को ध्यान में रखते हुए ग्रामसभा के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया। ज्ञापन के जरिए संबंधित मुकदमों को वापस लेने का आग्रह किया जाएगा। भविष्य में किसी भी प्रकार के विवाद से बचने और आपसी

सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से दोनों समुदायों की ओर से 25-25 सदस्यों को शामिल कर कुल 50 सदस्यीय कमेटी गठित करने का निर्णय लिया गया। यह कमेटी सामाजिक एकता बनाए रखने, आपसी मतभेदों को दूर करने और क्षेत्र में शांति स्थापित करने की दिशा में काम करेगी। बैठक की अध्यक्षता बेड़ो की मुखिया श्रीमती सुशांति भगत ने की। ग्रामसभा का संचालन सरना समिति के अध्यक्ष सुका उर्वाव ने किया, जबकि बैठक का समापन उपमुखिया

अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता में राजस्थान और यूपी पुलिस का शानदार प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस की ओर से रांची के खेलगांव में आयोजित 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2026-27 के व्यक्तिगत एलिमिनेशन राउंड में रविवार को छह वर्गों के पदक विजेताओं की घोषणा की गई। रिकर्व, कंपाउंड और इंडियन राउंड के पुरुष एवं महिला वर्गों में विभिन्न पुलिस बलों के तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। रिकर्व महिला वर्ग में राजस्थान पुलिस की अमनदीप कौर ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उत्तर प्रदेश पुलिस की सुमन चौधरी ने रजत, जबकि आईटीबीपी की सोनाली बसुमतारी ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं, रिकर्व पुरुष वर्ग में असम राइफलस के अकोइजाम अमरजीत ने स्वर्ण पदक जीता। सीआईएसएफ के



दिव्यांश चौधरी को रजत और आईटीबीपी के नीरज को कांस्य पदक मिला। कंपाउंड महिला वर्ग में असम राइफलस की समैना बसुमतारी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सीआईएसएफ की आकांक्षा ने रजत और बीएसएफ की मैनाव नरजनी ने कांस्य पदक जीता। इसी स्पर्धा के पुरुष वर्ग में राजस्थान पुलिस के रजत चौहान ने स्वर्ण पदक हासिल किया। उत्तर प्रदेश पुलिस के हर्ष बालियान ने रजत, जबकि सीआरपीएफ के भगवान

दास ने कांस्य पदक जीता। इंडियन राउंड महिला वर्ग में उत्तर प्रदेश पुलिस की नमिता वर्मा ने स्वर्ण पदक जीतकर बाजी मारी। एसएसबी की पुष्पा ने रजत और उत्तर प्रदेश पुलिस की दीपिका पांडेय ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं, इंडियन राउंड पुरुष वर्ग में आईटीबीपी के गौरव संजय राव चांदने ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बीएसएफ के सुनील कुमार को रजत और उत्तर प्रदेश पुलिस के सौरभ मौर्य को कांस्य पदक मिला।

रांची में सजेगा नेशनल ट्रैक साइकिलिंग का महाकुंभ: आधिकारिक मस्कट लॉन्च, 30 अक्टूबर से खेलगांव में जुटेंगे देशभर के 600 साइकिलिस्ट

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड की राजधानी रांची नेशनल ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। रविवार को खेलगांव स्थित वेलोड्रम स्टेडियम में प्रतियोगिता के आधिकारिक मस्कट की भव्य लॉन्चिंग के साथ ही एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर तैयारियों की जानकारी साझा की गई। झारखंड साइकिलिंग एसोसिएशन के अनुसार, खेलगांव के अंतरराष्ट्रीय स्तर के वेलोड्रम ट्रैक पर 30 अक्टूबर से 4 नवंबर तक 78वीं सीनियर, 55वीं जूनियर और 41वीं सब जूनियर नेशनल ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। एसोसिएशन के महासचिव शैलेंद्र



कुमार पाठक ने बताया कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 600 से अधिक शीर्ष साइकिलिस्ट हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के निष्पक्ष व सफल संचालन के लिए देश भर से 100 से अधिक तकनीकी अधिकारी भी रांची पहुंचेंगे।

महासचिव ने कहा कि खेलगांव का वेलोड्रम ट्रैक विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप है। खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन, सुरक्षा और अत्यास के पुख्ता इंतजाम कर लिए गए हैं, ताकि झारखंड इस ऐतिहासिक आयोजन को यादगार बना सके। इस मौके पर एसोसिएशन के निरेश झा, तकनीकी अधिकारी सतविंदर

कौर, कोषाध्यक्ष रणवीर कुमार और कोच रामकुमार सहित कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। मस्कट जारी होने के साथ ही प्रचार-प्रसार तेज कर दिया गया है। खेल विशेषज्ञों का मानना ​​है कि इस प्रतिष्ठित आयोजन से राज्य में साइकिलिंग खेल को एक नई ऊंचाई और पहचान मिलेगी।



मुनका मंचासीन रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में दीप प्रज्ज्वल, माँ दुर्गा एवं महर्षि वाल्मीकि के तस्वीर पर पुष्पार्पण की गई। तत्पश्चात विजया मिलन समारोह के अवसर पर आयोजित काव्य कलश में नगर के 36 कवियों ने वीर रस से परिपूर्ण रचनाओं का सस्वर पाठ किया। इस दौरान विजय के गीत, माँ दुर्गा की शक्ति, मयादाँ पुरुषोत्तम श्रीराम की वीरता और असत्य पर सत्य की विजय का गुणगान करने वाली कविताओं ने श्रोताओं में देशभक्ति और उत्साह का संचार किया। काव्य पाठ करने वालों में डॉ यमुना

तिवारी 'व्यथित', नीलिमा पाण्डेय, माधवी उपाध्याय, राजेन्द्र साह राज , मनीष सिंह 'द्वंद', हरभरान सिंह 'रहबर', नीलाम्बर चौधरी, बलविंदर सिंह, लक्ष्मी सिंह 'रबी', रीना सिन्हा 'सलोनी', किरण कुमारी, अनिमा मिश्रा,वीणा कुमारी 'निदिनी', मंजू कुमारी, रेखा सहार, शक्ति श्रीवास्तव, ललिता मुनका, शशि भूषण, पुनम सिंह, रीना गुप्ता श्रुति, स्मृति पांडेय चौबे, सुस्मिता मिश्रा, जय प्रकाश पाण्डेय, प्रतिभा प्रसाद, हरि किशन चावला, डॉ. उदय प्रताप हयात , अरुणा झा, वसंत जमशेदपुरी, डॉ. मिथिलेश चौबे, सुजय कुमार , प्रणति शरण, आलोक मंजरी विजुषी, डॉ. अनिता निधि, वंदना केसर भारती प्रमुख रहे।

कल्याण गुरुकुल के 71 प्रशिक्षुओं को दुबई में मिली नौकरी, नियुक्ति पत्र सौंपे गए

बिभा संवाददाता

खूंटी। कल्याण गुरुकुल खूंटी में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 71 प्रशिक्षुओं को दुबई में रोजगार का अवसर मिला है। रविवार को गुरुकुल परिसर में आयोजित विदाई समारोह में जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुडिया ने शोभा केस्ट्रक्शन, दुबई में रोजगार के लिए चयनित सभी 71 प्रशिक्षुओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस उपलब्धि से प्रशिक्षुओं और उनके परिजनों में खुशी का माहौल रहा। समारोह में जिला परिषद अध्यक्ष ने चयनित प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी प्रशिक्षु विदेश में अपने कौशल और मेहनत के दम पर बेहतर प्रदर्शन करेंगे तथा अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। इस विदाई समारोह में कल्याण गुरुकुल के बैच

संख्या 110, 111 और 112 (खूंटी), बैच संख्या 48 (तांतनगर) तथा बैच संख्या 106 (गुमला) के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद रोजगार प्राप्त करना इन युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे उन्हें अपने कौशल का उपयोग कर रोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में तोरपा प्रखंड प्रमुख रोहित सुरीन, उप प्रमुख संतोष कुमार कर और संदीप कुमार प्रामाणिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने चयनित प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए उनके सफल और सुरक्षित भविष्य की कामना की। कल्याण गुरुकुल के प्राचार्य भूपेंद्र शर्मा और सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रशिक्षुओं की सुख-समृद्धि, सफलता और उज्ज्वल भविष्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

हेमंत सरकार की विफलताओं को लेकर आंदोलन करें कार्यकर्ता: सौदान सिंह

बिश्मा संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के अंतिम दिन रविवार को समापन सत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री सौदान सिंह, प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल और संगठन महामंत्री पवन साय का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के अंतिम सत्र में समापन सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री सौदान सिंह ने कार्यसमिति बैठक के सफल आयोजन के लिए प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार जताया। उन्होंने पिछले सात वर्षों में झारखंड के विकास की गति को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार नहीं बनने का खामियाजा इस राज्य सरकार के कुशासन के कारण झारखंड और झारखंड की जनता को भुगतना पड़ा है। यदि राज्य में भाजपा नेतृत्व की सरकार होती, तो झारखंड विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रहा होता।

सौदान सिंह ने कहा कि वर्तमान गठबंधन सरकार के कार्यकाल में राज्य का विकास पूरी तरह प्रभावित हुआ है। झारखंड सरकार को आम जनता के हितों को लेकर कोई सरोकार ही नहीं है। पूरा राज्य अराजकता, भ्रष्टाचार और कुशासन की चपेट से कराह रहा है। उन्होंने स्थानीय जनमुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ संघर्ष और आंदोलन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर सरकार से उसके वादों का हिसाब मांगें और स्थानीय जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष को और तेज करने की जरूरत है। गांव से लेकर शहर तक जनता की समस्याओं को उठाना, सरकार की जवाबदेही तय करना और जनहित के मुद्दों पर आंदोलन खड़ा करना पार्टी कार्यकताओं की

संक्षिप्त खबरें

रांची में एंटी फ़ाइम चेकिंग के दौरान एयर गन के साथ ऑटो चालक हिरासत में, पूछताछ जारी

रांची(बिभार)। राजधानी रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र में शनिवार देर रात एंटी फ़ाइम चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने एक ऑटो चालक को संदिग्ध परिस्थितियों में हिरासत में लिया है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक एयर गन बरामद की गई। पूछताछ में ऑटो चालक एयर गन रखने के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। हिरासत में लिए गए ऑटो चालक की पहचान रवि स्टील क्षेत्र निवासी गुड्डु उर्फ रवि के रूप में हुई है। वह मूल रूप से पलामू जिले के पांकी का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, शनिवार देर रात पंडरा ओपी की टीम एंटी फ़ाइम चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर ऑटो चालक को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी में एयर गन मिलने के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की, लेकिन वह इसके संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं दे सका। इसके बाद पुलिस उसे हिरासत में लेकर पंडरा ओपी पहुंची, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि ऑटो चालक रात के समय एयर गन दिखाकर यात्रियों से लूटपाट करता होगा। हालांकि, अब तक इस आशंका की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि एयर गन रखने का उसका उद्देश्य क्या था और क्या वह किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल रहा है। पंडरा ओपी प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच-पड़ताल जारी है। पूछताछ और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने वापस किए लोगों के गुम मोबाइल रांची(बिभार)। राजधानी रांची में खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत लालपुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अभियान के दौरान रविवार को कुल 22 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनमें से 18 मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए हैं, जबकि शेष चार मोबाइल फोन के मालिकों से संपर्क किया गया है। उनके थाना पहुंचने पर मोबाइल सौंप दिए जाएंगे। लालपुर थाना प्रभारी रूपेश सिंह ने बताया कि खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए पुलिस तकनीक का सहारा ले रही है। इसके तहत मोबाइल फोन से संबंधित जानकारी पोर्टल पर दर्ज की जाती है। जैसे ही संबंधित मोबाइल में किसी अन्य सिम कार्ड का इस्तेमाल होता है, तकनीकी सिस्टम के माध्यम से उसकी पहचान और लोकेशन से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलती है। इसके आधार पर पुलिस मोबाइल फोन को ट्रैस कर बरामद करती है। थाना प्रभारी ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत मोबाइल फोन की बरामदगी का अभियान लगातार जारी रहेगा। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों के खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन को बरामद कर उन्हें उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाना है।

[राजधानी]

संगठन को बृ्थ स्तर तक सशक्त बनाने के लिए लक्ष्य पूरा करें कार्यकर्ता : पवन साय

झारखंड प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने प्रदेश कार्यसमिति की दूसरे दिन की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दो दिनों की चर्चा में संगठन, राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों और जनहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषय सामने आए हैं। इन विषयों को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए संगठनात्मक संरचना को मजबूत, सक्रिय और व्यवस्थित बनाना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे कार्यसमिति में हुई चर्चा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ठोस कार्ययोजना के साथ मैदान में उतरे। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी साझा की। साय ने संगठन को निचले स्तर तक मजबूत बनाने के लिए समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित करते हुए प्रमंडल स्तर पर एक- एक प्रभारी नियुक्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए जिला और मंडल स्तर की कार्यसमितियों का गठन, प्रत्येक शक्ति केंद्र में पांच कार्यकर्ता तैयार करने और प्रत्येक बू्थ की आवश्यक संरचना समयबद्ध तैयार करने का लक्ष्य दिया। उन्होंने भाजपा के सातों मोर्चा की कार्यकारिणी का गठन शीघ्र पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि गठन से पहले सभी मोर्चा अध्यक्ष प्रदेश का प्रवास करें। इसके साथ ही पार्टी के 28 प्रकोष्ठों की संगठनात्मक संरचना का गठन भी निर्धारित समय सीमा में पूरा करने पर जोर दिया। साय ने कार्यकर्ताओं के प्रवास पर जोर देते हुए कहा कि संगठन को गति देने हेतु प्रवास जरूरी है इसलिए आप कार्यकर्ता कम से कम सात दिनों की प्रवास जरूर करें। उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया की टीम को मजबूत बनाने पर जोर दिया। साय ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी साझा करते हुए 26 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि जयंती जिला और मंडल स्तर पर मनाने का निर्देश दिया। उन्होंने 31 अक्टूबर को हारन फॉर यूनिटीइ कार्यक्रम की व्यवस्थित तैयारी करने को कहा। वहीं उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती 15 नवंबर को मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव दिवस को भव्य एवं व्यापक स्तर पर आयोजित करने पर विशेष जोर दिया।

प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे राज्य सरकार की नीतियों और कार्यशैली से जुड़ी जनशिकायतों को मजबूती से उठाएं। युवाओं के रोजगार, विद्यार्थियों की समस्याओं, किसानों की चुनौतियों, गरीबों को सरकारी

योजनाओं का लाभ और आम जनता को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने जैसे मुद्दों पर सरकार को जवाब देने के लिए बाध्य करें।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सादगी और सेवा के संकल्प के साथ जनता के बीच काम करें। जनता के

सुख-दुःख में सहभागी बनें और संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू एवम मंच संचालन प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह और अमर कुमार बाउरी ने संयुक्त रूप से किया।

उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जवाब मांगा। उन्होंने सवाल किया कि लक्ष्मीकांत मुंडा किस समाज से आते थे और उनके घर में ही उनकी हत्या कैसे कर दी गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को ऐसी घटनाओं पर अपनी जवाबदेही तय करनी चाहिए।

पंचायत चुनाव के मुद्दे पर साहू ने कहा कि जब तक ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी नहीं की जाती, तब तक भाजपा पंचायत चुनाव का विरोध करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पिछड़े वर्गों का आरक्षण छीनने का प्रयास कर रही है। भाजपा पिछड़े समाज के अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य की जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

बिश्मा संवाददाता

रांची: महिलाओं की आत्मनिर्भरता और रचनात्मक हुनर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की ह्रासुजनह्द शाखा द्वारा 26 और 27 अक्टूबर को दो दिवसीय 'सृजन स्पार्कल दिवाली मेला' का आयोजन अग्रसेन भवन में किया जा रहा है। इस भव्य मेले में कुल 55 स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें महिला उद्यमियों की कला और नवाचार की चमक देखने को मिलेगी। आयोजकों ने बताया कि अग्रसेन भवन में बसंत और सावन मेले की सफलता के बाद यह दूसरी बार है जब दिवाली मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में रांची के स्थानीय हुनरमयों के साथ-साथ कोलकाता और रामगढ़ की महिला उद्यमी भी अपने विनिष्ट उत्पादों के स्टॉल लगाएंगी। मेले में मुख्य रूप से एथनिक विवर, प्यूजन परिधान,

हेमंत सरकार पर आरोप लगाने से पहले अपने शासनकाल का हिसाब दे भाजपा: झामुमो

बिश्मा संवाददाता

रांची: झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद पांडेय ने भाजपा प्रदेश कार्यसमिति द्वारा पारित राजनीतिक प्रस्ताव पर कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास जनता के सामने रखने के लिए न तो कोई ठोस मुद्दा है और न ही अपने शासनकाल की उपलब्धियों का कोई हिसाब। इसलिए वह राजनीतिक प्रस्तावों के जरिए भ्रम और झूठ फैलाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। हेमंत सोरेन सरकार पर उंगली उठाने से पहले भाजपा को अपने कार्यकाल के कामकाज का हिसाब जनता को देना चाहिए।

विनोद पांडेय ने कहा कि झारखंड की जनता भाजपा के दोहरे चरित्र को भली-भांति समझती है। जिस दल ने सत्ता में रहते हुए राज्य के गरीबों, आदिवासियों, मूलवासियों,

बोकारो पुलिस ने 57 गुम मोबाइल बरामद कर धारकों को सौंपे

बिभा संवाददाता

बोकारो । बोकारो जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सीईआईआर (उत्कृक्) पोर्टल की मदद से 26 सितंबर से 25 अक्टूबर 2026 तक कुल 57 मोबाइल फोन बरामद किए गए। रविवार को सत्यापन के बाद संबंधित थाना और ओपी के

माध्यम से मोबाइल उनके वास्तविक धारकों को सौंप दिए गए। पुलिस के अनुसार, जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से मोबाइल फोन गुम होने की शिकायतें मिल रही थीं। इसे देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों और ओपी प्रभारियों को सीईआईआर पोर्टल का उपयोग कर गुम मोबाइल फोन की जल्द बरामदगी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। इसी क्रम में



चास, बेरमो (तेनुघाट), नगर, मुख्यालय और बोकारो क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 57 मोबाइल

की सहायता से कुल 684 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक धारकों को सौंपे जा चुके हैं। इसके अलावा, मोबाइल चोरी से संबंधित तीन मामले दर्ज कर पुलिस ने अनुसंधान शुरू कर दिया है। बोकारो पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि मोबाइल फोन गुम होने या चोरी होने पर तत्काल नजदीकी थाना या ओपी को सूचना दें। साथ ही, भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल पर आवश्यक

विवरण भरकर शिकायत दर्ज कराएं। इस पोर्टल की मदद से गुम या चोरी हुए मोबाइल का पता लगाने और उसके दुरुपयोग को रोकने में पुलिस को सहायता मिलती है। पुलिस ने लोगों से मोबाइल से संबंधित शिकायतों में सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील करते हुए कहा कि समय पर सूचना देने से मोबाइल की बरामदगी संभावना बढ़ सकती है।

अमित माथुर बोकारो स्टील प्लांट के नए सीआईएसएफ डीआइजी नियुक्त

बिभा संवाददाता

बोकारो. केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के पूर्वी क्षेत्र मुख्यालय, पटना में डीआइजी के पद पर कार्यरत अमित माथुर को बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) का नया डीआइजी बनाया गया है. उनके स्थानांतरण के बाद बीएसएल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर उनसे अपेक्षाएं बढ़ी हैं।

बीएसएल एक महत्वपूर्ण औद्योगिक प्रतिष्ठान है, जहां संयंत्र परिसर, संवेदनशील क्षेत्रों और अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआइएसएफ निभाता है. ऐसे में सुरक्षा मानकों का प्रभावी अनुपालन, नियमित निगरानी और किसी भी संभावित नौजोती पर त्वरित कार्रवाई महत्वपूर्ण है. नये डीआइजी के सामने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के



साथ बल के जवानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी भी होगी. औद्योगिक सुरक्षा के साथ कर्मियों और अनुशासन बनाए रखना भी इस व्यवस्था का अहम हिस्सा है.

बीएसएल जैसे बड़े औद्योगिक परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए सतर्कता, नियमित समीक्षा और समन्वित कार्यप्रणाली जरूरी है. अमित माथुर के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था को किस तरह आगे बढ़ाया जाता है, इस पर सबकी नजर रहेगी.

बीजीएच के आईसीयू में भर्ती बीएसएल कर्मी पर हमले का मामला, पत्नी ने जीएम पर लगाया मानसिक प्रताड़ना का आरोप

बिभा संवाददाता

बोकारो: बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के टाउनशिप सिक्वोरिटी विभाग में कार्यरत कर्मचारी अरविंद पासवान पर नाइट शिफ्ट के दौरान हुए कथित हमले का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से घायल कर्मी वर्तमान में बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के आईसीयू में इलाजरत हैं। मामले को लेकर पीड़ित की पत्नी निकिता कुमारी ने सेक्टर-4 स्थित एससी/एसटी थाने में लिखित आवेदन देकर टाउनशिप प्रबंधन के जीएम और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, सेक्टर-12 निवासी अरविंद पासवान 24 अक्टूबर को नाइट शिफ्ट ड्यूटी पर थे। आरोप है कि ड्यूटी के दौरान कार्यालय में मौजूद विक्की यादव नामक व्यक्ति ने बातचीत के बहाने उन्हें एक कमरे में बुलाया और अचानक पीछे से सिर पर वार कर दिया। सिर में गहरी चोट लगने और अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण अरविंद पासवान मौके पर ही अचेत हो गए, जिसके बाद उन्हें बीजीएच पहुंचाया गया।



पीड़िता निकिता कुमारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद जब वे अस्पताल पहुंचीं, तो पति की हालत अत्यंत नाजुक थी। उन्होंने टाउनशिप प्रबंधन के जीएम आलोक चावला पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे पिछले करीब एक महीने से उनके पति को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे और उनके खिलाफ जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा था।

पीड़िता ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है। फिलहाल पुलिस को दिए गए आवेदन पर जांच जारी है और संबंधित पक्षों की ओर से आधिकारिक बयान सामने आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

संक्षिप्त खबरें

बांघडीह मोड़ स्थित महेश मोबाइल दुकान में चोरी, दीवार तोड़कर दुकान में घुसे चोर

बोकारो(बिभा)। बांघडीह मोड़ स्थित महेश मोबाइल दुकान में चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने दुकान के पीछे की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया और मोबाइल फोन, सिम कार्ड समेत मोबाइल से जुड़े अन्य पाटर्स चोरी कर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में चिंता का माहौल है। घटना की सूचना मिलने पर श्याम पैतंडी और सियालजोरी थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की। थाना प्रभारी ने आशवासन दिया कि चोरी की घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस चोरों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार करने और चोरी गए सामान की बरामदगी के लिए प्रयासरत है। क्षेत्र में चोरी की इस घटना से स्थानीय लोगों और दुकानदारों के बीच चिंता बढ़ गई है। लोगों को उम्मीद है कि पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करेगी और चोरी गए सामान को बरामद करेगी।



बोकारो से दो सगी नाबालिग बहनें लापता, तलाश में जुटी पुलिस ने आम जनता से मांगी मदद

बोकारो(बिभा). जिले के चंद्रपुरा थाना क्षेत्र से दो नाबालिग सगी बहनों के लापता होने के मामले में पुलिस ने आम जनता से मदद की अपील की है. दोनों बच्चियां 22 अक्टूबर 2026 की सुबह घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं. परिजनों की चिंता बढ़ने के बीच पुलिस ने आम लोगों से बच्चियों के संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर तत्काल सूचना देने की अपील की है. उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चियां 22 अक्टूबर को सुबह करीब नौ से 10 बजे के बीच बैग और झोला लेकर घर से निकली थीं. इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल पाया है. परिजन उनकी तलाश में परेशान हैं. मामला सामने आने के बाद पुलिस भी बच्चियों के संबंध में जानकारी जुटा रही है. बताया गया है कि मई 2026 में भी दोनों बहनें घर से लापता हो गयी थीं. उस समय उन्हें धनबाद से बरामद किया गया था. कुछ महीनों के अंतराल में दोबारा लापता होने की घटना से परिजन निर्विंत हैं. हालांकि, बच्चियों के दोबारा घर से निकलने के कारणों के संबंध में फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आयी है. चंद्रपुरा थाना प्रभारी श्रीनिवास कुमार सिंह ने लोगों से अपील की है कि बच्चियों के संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचित करें. उन्होंने बताया कि सूचना देने वाले व्यक्ति को पुरस्कृत किया जायेगा. पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संभावित जानकारी को नजर अंदाज न करें और उसे तत्काल संबंधित पुलिस अधिकारियों तक पहुंचाएं.



खुशहाल राष्ट्र-निर्माण के लिए खुशनुमा शैक्षणिक वातावरण जरूरी: प्राचार्य डॉ. गंगवार

बोकारो (बिभा): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत अधिक रूचिकर, आनंददायक और प्रभावशाली अध्यापन प्रणाली विकसित करने तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से सीबीएसई की कवायदें लगातार जारी हैं। इसी कड़ी में शनिवार को सीबीएसई के सेंटर ऑफ़ एक्स्लेंस (सीओई), पटना के तत्वावधान में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो में शिक्षकों के लिए 'हैप्पी क्लासरूम' (खुशहाल कक्षा) विषय पर एक दिवसीय क्षमता-निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान करना और यह समझाना था कि एक आदर्श कक्षा के निर्माण में आनंद किस प्रकार सबसे महत्वपूर्ण और अपरिहार्य तत्व हैं। कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल (जीजीपीएस), सेक्टर-5 के प्राचार्य अभिषेक कुमार एवं उसी विद्यालय की वरीय शिक्षिका सुष्मा सिंह ने खुशनुमा माहौल में बच्चों की पढ़ाई-लिखाई सुनिश्चित करने तथा खुशहाल भविष्य तैयार करने पर बल दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने मुख्य रिसोर्स पर्सन के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने इस विषय को आज के दौर में अत्यंत प्रासंगिक व महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हैप्पी क्लासरूम का तात्पर्य केवल हंसी-मजाक वाली कक्षा से नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा परिवेश है जहां बच्चे खुद को पूरी तरह सुरक्षित, सहज और प्रसन्नचित महसूस करें। जहां शिक्षक के प्रवेश करते ही विद्यार्थियों के चेहरों पर एक स्वाभाविक मुस्कान छत्र जाए। एक खुशहाल शिक्षक एक खुशहाल क्लासरूम और आनंदित विद्यार्थी बना सकता है और ऐसे खुशहाल विद्यालयों से ही अंततः एक खुशहाल समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है, इसलिए शिक्षक हर क्षण का आनंद लें, स्वयं सकारात्मक रहें और बच्चों को भी आनंदित बनाए रखें।



बिभा संवाददाता

बोकारो। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर बोकारो स्टील सिटी में तैयारियां तेज हो गई हैं। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) प्रबंधन ने टाउनशिप के आधा दर्जन से अधिक प्रमुख छठ घाटों पर साफ-सफाई का अभियान शुरू कराया है। नगर सेवा विभाग की देखरेख में जलाशयों की सफाई, गाद निकासी और घाटों की आवश्यक मरम्मत का काम किया जा रहा है, ताकि व्रतियों को अर्घ्य देने के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

प्रमुख छठ घाटों पर चल रहा सफाई अभियान

बीएसएल प्रबंधन की ओर से टाउनशिप के विभिन्न सेक्टरों में स्थित जलाशयों और सरोवरों की सफाई कराई जा रही है। इनमें टू टैंक छठ घाट, सेक्टर-4डी स्थित जान्नाथ मंदिर के समीप का सरोवर, सेक्टर-4एफ का सूर्य सरोवर, सेक्टर-5 स्थित मुख्य



सरोवर, सेक्टर-1सी का छठ घाट, सिटी पार्क स्थित जल क्षेत्र और सेक्टर-3 के टू टैंक गार्डन स्थित छठ घाट शामिल हैं। इन स्थलों पर सफाईकर्मी, मजदूर और मशीनों की मदद से साफ-सफाई का काम किया जा रहा है।

जलकुंभी और कचरे की हो रही सफाई

छठ महापर्व में स्वच्छता और पवित्रता का विशेष महत्व है। इसे देखते हुए जलाशयों में फैली जलकुंभी, जंगली घास, काई और अन्य अवशिष्ट सामग्रियों को हटाया जा रहा है। घाटों के आसपास जमा कचरे, प्लास्टिक

और पॉलिथीन की भी सफाई की जा रही है। इसके साथ ही घाटों को व्यवस्थित बनाने और श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम करने पर जोर दिया जा रहा है।

रोयानी, रेंजिंग रूज और चिकित्सा शिविर की होगी व्यवस्था

छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए घाटों पर आवश्यक व्यवस्थाएं करने की तैयारी है। घाटों के आसपास पर्याप्त रोयानी की व्यवस्था की जाएगी, ताकि सुबह और शाम के अर्घ्य के दौरान श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। महिलाओं और व्रतियों की सुविधा के लिए अस्थायी वस्त्र बदलने के कक्ष

डाक व आरएमएस पेंशनर्स की बोकारो इकाई गठित, सुरेंद्र लाल बने अध्यक्ष और संतोष कुमार सिंह सचिव

बिभा संवाददाता

बोकारो। प्रधान डाकघर (सेक्टर-2) में रविवार को ऑल इंडिया पोस्टल व आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन की बोकारो स्टील सिटी इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। 32 सदस्यों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से तदर्थ समिति का गठन किया गया, जिसमें सुरेंद्र लाल को अध्यक्ष और संतोष कुमार सिंह को सचिव चुना गया। यह समिति आगामी विधिवत चुनाव होने तक संगठन का संचालन करेगी। नवगठित समिति की सूची अंतिम अनुमोदन के लिए एसोसिएशन के राज्य सचिव (रांची) को भेज दी गई है। बैठक में डाक एवं रेलवे मेल सर्विस के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की प्रमुख समस्याओं, पेंशन, चिकित्सा सुविधाओं और अन्य देय लाभों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। सदस्यों ने इन मांगों को उचित मंच पर उठाने के लिए एकजुट प्रयास



करने पर बल दिया। नवनि्युक्त सचिव संतोष कुमार सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सम्मान, सुविधाओं और अधिकारों की रक्षा करना समिति की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी सदस्यों से संगठन में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए आश्चस्त किया कि पेंशनरों से जुड़ी समस्याओं को उच्चाधिकारियों के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा। गठित तदर्थ समिति में आरएन भूषण, राम प्रसाद, आरएल शर्मा और रवींद्र शुक्ला को उपाध्यक्ष तथा एएनएआरएस राम, आरबी पंडित व रजत कुमार चटर्जी को सहायक सचिव बनाया गया है। इसके

अलावा एमडी शाकिर हुसैन कोषाध्यक्ष, महेश कुमार मुर्मू सहायक कोषाध्यक्ष, पीसी डे व राजेंद्र कुमार (एसबीसीओ) ऑडिटर और बीके ओझा व जनार्दन कपटार संगठन सचिव चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों में एमडी जकारिया, आरपी सिन्हा, अशोक सोरेन, अशोक कुमार सिंह, फटिक राजवार, दिलीप कुमार विश्वकर्मा और राजेंद्र कुमार शामिल किए गए हैं। बैठक में बीएन तिवारी, विवेकानंद झा और सितेश कपटार सहित कई अन्य सेवानिवृत्त कर्मी उपस्थित थे।

एमजीएम स्कूल की 40वीं वर्षगांठ पर वार्षिकोत्सव वर्णिका आयोजित

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम

बिभा संवाददाता

बोकारो: सेक्टर चार एफ स्थित एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल में 40 वर्ष पूर्ण होने (रूबी जुबली) के उपलक्ष्य में वार्षिकोत्सव ह्रदवर्णिकाहू धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के पुलिस महानिरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिन्हा एवं विशिष्ट अतिथि एमजीएम ग्रुप के अध्यक्ष एच.जी. इलोसियोस मार ईओसिबियोस ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह को संबोधित करते हुए एमजीएम ग्रुप के अध्यक्ष ने कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी, जिसे विद्यार्थी कड़ी मेहनत और लगन से हासिल कर



सकते हैं। वहीं मुख्य अतिथि शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने विद्यार्थियों को सफलता के सूत्र बताते हुए निरंतर परिश्रम के जरिए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य फादर डॉ. जोशी वर्गीस ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान की 40 वर्षों की गौरवमयी शैक्षणिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर अतिथियों द्वारा एक विशेष डाक लिफाफा और

विद्यालय पत्रिका ह्योग्रेगोरियनहू का विमोचन किया गया। सत्र 2025-26 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 120 मेधावी विद्यार्थियों को नकद छात्रवृत्ति, शत-प्रतिशत उपस्थिति हेतु स्मृति चिन्ह और बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक लाने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। 10वीं में ऋचा नंदा व मृणाल विनायक झा तथा 12वीं में कृष्णा कुमारी शर्मज्ञ (विज्ञान), कृतिका

रिटालिया (वाणिज्य) व अंशिका सिंघानिया (कला) को 'सुदेशना बोस स्मृति पुरस्कार' प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त विषयवार शत-प्रतिशत अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं एवं 25 वर्षों से अधिक समय से समर्पित शिक्षकों व कर्मियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत, आर्केस्ट्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में उप प्राचार्या राखी बनर्जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर फादर रेजी सी वर्गीस, फादर जैकब थॉमस, सपना जोशी सहित कई गणमान्य लोग, शिक्षक एवं अभिभावक मौजूद रहे।

बिभा संवाददाता

बोकारो। आधुनिक बिहार के निर्माता और प्रथम मुख्यमंत्री बिहार केसरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती रविवार को ब्रह्मर्षि परिवार, बोकारो द्वारा गरिमायव वातावरण में मनाई गई। सेक्टर-4 स्थित बोकारो जनरल अस्पताल के समीप स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

समारोह की अध्यक्षता वरीय सदस्य कमलेश राय ने की। मुख्य अतिथि विहिप के पूर्व अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जगन्नाथ शाही, विशिष्ट अतिथि झारखंड राज्य सहकारी बैंक की अध्यक्ष विभा सिंह तथा पूर्व संयुक्त निबंधक जयदेव सिंह ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन का शुभारंभ किया। वक्ताओं ने श्री बाबू के राष्ट्रसेवा, त्याग और औद्योगिक विकास में दिए गए योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को आचरण में उतारने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन देवनारायण सुधांशु ने और धन्यवाद ज्ञापन ब्रज किशोर सिंह ने किया। मौके पर समाज के सैकड़ों प्रबुद्ध नामरिक उपस्थित रहे तथा समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।



झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति की देवघर में समीक्षा बैठक

लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर नोडल पदाधिकारी नियुक्त करने का निर्देश

बिभा संवाददाता

देवघर: झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति (पीएस) की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक रविवार को देवघर परिसदन में आयोजित की गई। समिति के अध्यक्ष सह विधायक मनोज कुमार यादव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में समिति के सदस्य सह बरकड्डा विधायक अमित कुमार यादव, मनोहरपुर विधायक जगत मांझी तथा कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाडी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समिति के दौरान समिति ने विभिन्न विभागों से जुड़े सामान्य,



सामाजिक, आर्थिक एवं राजस्व प्रश्नों के मामलों के साथ-साथ स्थानीय निकायों पर वार्षिक तकनीकी निरीक्षण प्रतिवेदन की संबंधित लंबित कंडिकाओं की विभागों से जुड़े सामान्य,

अतिरिक्त संबंधित आपत्ति कंडिकाओं पर अब तक की गई कार्रवाई (एटीआर) के प्रतिवेदनों का भी गहन मूल्यांकन किया गया। समिति ने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रत्येक जिले में लोक लेखा समिति

से जुड़े लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए एक नोडल पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति का प्रावधान है, जिसे जिला प्रशासन हर हाल में सुनिश्चित करे। समिति ने अधिकारियों को आपसी समन्वय

स्थापित करते हुए सभी लंबित आपत्तियों का ससमय निराकरण करने को कहा।

समीक्षा के क्रम में वर्ष 2008-09 से 2019-20 तक के भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक प्रतिवेदन में दर्ज आपत्तियों तथा वर्ष 2014-15 के स्थानीय निकायों से जुड़े तकनीकी निरीक्षण प्रतिवेदन की लंबित कंडिकाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और अधिकारियों को अविलंब आवश्यक सुधार व अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में वन विभाग, पुलिस, खनन, प्रदूषण, निबंधन, पंचायती राज,

उत्पाद, परिवहन, वाणिज्य कर, ऊर्जा, आपूर्ति, भू-अर्जन तथा नगर निगम सहित अन्य विभागों के कार्यों की क्रमवार समीक्षा की गई।

इस अवसर पर देवघर के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) पीपूष सिन्हा, वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, सिविल सर्जन, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक, जिला खनन पदाधिकारी, जिला कोषागार पदाधिकारी सहित जिला स्तर के सभी संबंधित विभागों के वरीय अधिकारी और कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे।

एक नवंबर को महारेली में दिल्ली के जंतर मंतर पर उमड़ेगा जनसैलाब

प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा कांग्रेस की पहली प्राथमिकता : डॉ शिव कुमार डहरिया

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : वोट बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत आगामी 1 नवंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली इंडिया गठबंधन की महारेली की सफलता को लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय में एक अहम बैठक आयोजित की गई। पूर्व मंत्री सह जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री सह उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के पर्यवेक्षक डॉ. शिव कुमार डहरिया उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. शिव कुमार डहरिया ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा कांग्रेस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को बुध एवं पंचायत स्तर पर संगठन को



सशक्त बनाने, मतदाता सूची की नियमित समीक्षा करने तथा एसआईआर प्रक्रिया पर पूरी सक्रियता बरतने का निर्देश दिया।

प्रदेश महासचिव सह जिला प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर जनता के हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने हजारीबाग से भारी संख्या में कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचकर महारेली को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। बैठक के पश्चात आयोजित प्रेसवार्ता में नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया की

पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े किए। डॉ. डहरिया ने कहा कि मतदाता सूची में गड़बड़ियों और एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े सवालों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली में आयोजित महारेली में हजारीबाग से सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक मतदाता सूची में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होती, तब तक कांग्रेस का यह लोकतांत्रिक

खासमहल जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद : योगेंद्र साव और प्रशासन फिर आमने-सामने

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: रविवार को हजारीबाग क्षेत्र में प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान राज्य के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता योगेंद्र साव और जिला प्रशासन के अधिकारी एक बार फिर आमने-सामने आ गए।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, खासमहल जमीन से जुड़े अतिक्रमण एवं प्रशासनिक अभियान के दौरान यह तीखी कोलझोंक और टकराव देखने को मिला है। रविवार को हजारीबाग के अंचल अधिकारी आशुतोष कुमार और सदर एसडीपीओ रुपक कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस बल खासमहल भूमि से संबंधित अतिक्रमण हटाने और प्रशासनिक प्रक्रिया को पूरा करने मौके पर पहुंचे थे। कार्रवाई की सूचना मिलते ही पूर्व मंत्री योगेंद्र साव अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गए और प्रशासनिक कदम का कड़ा विरोध शुरू कर दिया। विवाद के दौरान पूर्व मंत्री की



अंचल अधिकारी और पुलिस अधिकारियों के साथ काफी तीखी बहस हुई। योगेंद्र साव ने प्रशासन पर एकतरफा कार्रवाई करने और आम जनता के अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाया। वहीं, प्रशासनिक अधिकारियों का कहना था कि वे कानून और उच्चाधिकारियों के निर्देशों के तहत ही भूमि से जुड़ा कार्य निष्पादित कर रहे हैं। जबकि योगेंद्र साव प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बहस करते और सरकार व स्थानीय व्यवस्था पर तीखे सवाल उठाते नजर आए। इस घटना के बाद एक बार फिर जिले का राजनीतिक पारा चढ़ गया है। जहां एक तरफ सत्ताधारी व विपक्षी दलों

में बयानबाजी शुरू हो गई है, वहीं प्रशासनिक सेवा संघ ने भी अधिकारियों के साथ हुए इस विवाद पर कड़ा रुख अपनाया है। योगेंद्र साव के समर्थकों का दावा है कि पूर्व मंत्री विस्थापितों, प्रभावित परिवारों और आम जनता के हक-अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। दूसरी ओर, प्रशासनिक महकमे का मानना है कि सरकारी कार्यों में बाधा डालने और अधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार करने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती। फिलहाल रविवार की इस घटना के बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और पुलिस-प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

झारखंड स्कूल प्रतिभा खोज-2026: सुर और ताल के संगम में निखरी प्रतिभा, पांच जिलों के विद्यार्थियों ने जमाया रंग

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् के तत्वावधान में अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जिला स्कूल (सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस) में दक्षिणी प्रमंडल स्तरीय झारखंड स्कूल आइडल-सुर और ताल संग्राम का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में रांची, लोहरदगा, खुंटी, गुमला और सिमडेगा के विद्यार्थियों ने गायन और नृत्य विधाओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि रांची के जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, विशिष्ट अतिथि जिला खेल एवं पर्यटन पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार



सिंह तथा प्राचार्या डॉ. यासमीन गैलरिया ने किया। प्रतियोगिता के गायन वर्ग (जूनियर) में लोहरदगा के अनंत राज, रांची के स्वास्तिक मिश्रा, खुंटी की मुक्ता नाग, गुमला की अक्षिता श्रेष्ठ और सिमडेगा की अंजलि तिकौं विजेता बने। सीनियर

वर्ग में लोहरदगा की अर्चना कुमारी, रांची की खुशी कुमारी, खुंटी की नीलिमा सांगा, गुमला की रानी कुमारी और सिमडेगा के देवांश पाठक ने सफलता हासिल की। वहीं नृत्य प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में गुमला की अंजू कुमारी,

रांची की पलक शांडिल्य, खुंटी की लीला प्रधान, लोहरदगा की आरती कुमारी और सिमडेगा की साक्षी खाखा अस्वल रही। सीनियर वर्ग में लोहरदगा की सोनम कुमारी, रांची के अमन कुमार राज, खुंटी की लक्ष्मी कुमारी, गुमला की आँचल कुमारी और सिमडेगा की राधिका कुमारी ने बाजी मारी। गायन प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका माधवी मेहर, श्वेता रश्मि, सचिन कुमार व असलम अली ने तथा नृत्य प्रतियोगिता में राकेश नायक, दिव्या कुमारी व राजशेखर ने निभाई। कार्यक्रम का मंच संचालन जया मिश्रा ने किया।

जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम की मांग को लेकर ओबीसी मोर्चा ने रघुवर दास को सौंपा ज्ञापन



बिभा संवाददाता

रांची: राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा (प्रदेश) के 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि आगामी जनगणना 2027-28 की प्रश्नावली में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की तरह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए भी एक अलग और स्पष्ट कॉलम निर्धारित किया जाए।

मुलाकात के दौरान जब पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी जनगणना में ओबीसी की गिनती की जा रही है, तब मोर्चा के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांग केवल सामान्य गिनती तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रश्नावली में ओबीसी की स्वतंत्र वैधानिक पहचान और पृथक कॉलम सुनिश्चित करना आवश्यक है। मामले की गंभीरता को समझते हुए रघुवर दास ने तत्काल जनगणना से जुड़े अधिकारियों से फोन पर बात की और अगले रविवार को एक संयुक्त बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया।

इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री, जनगणना अधिकारी और मोर्चा की टीम ओबीसी कॉलम, जातिवार गणना की प्रक्रिया और मानकीकृत प्रणाली पर विस्तृत चर्चा करेगी।

मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि आजादी के बाद से अब तक ओबीसी समुदाय का कोई प्रमाणिक राष्ट्रीय जातिवार आंकड़ा उपलब्ध नहीं हो सका है। इसके चलते शिक्षा, रोजगार, आरक्षण, छात्रवृत्ति और स्थानीय निकायों में प्रतिनिधित्व से जुड़ी नीतियां ठोस तथ्यों के आधार पर नहीं बन पा रही हैं। उन्होंने याद दिलाया कि काका कालेलकर आयोग से लेकर मंडल आयोग तक ने पिछड़े वर्गों की वास्तविक जनसंख्या सामने लाने की पुरजोर सिफारिश की थी। ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि गणना प्रक्रिया को पारदर्शी और सटीक बनाने के लिए केंद्रीय व राज्य ओबीसी सूचियों पर आधारित प्रमाणिक कोड और ड्रॉप-डाउन आधारित मानकीकृत प्रणाली लागू की जाए, ताकि नामों के दोहराव और वर्तनी की गलतियों से बचा जा सके। साथ ही जातिवार और राज्यवार आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की गई।

प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष राजेश प्रसाद, वरीय उपाध्यक्ष आजम अहमद, उपाध्यक्ष सुनील यादव, महिला मोर्चा अध्यक्ष उर्मिला यादव, प्रदेश सचिव राम लखन साहू, अधिवक्ता मोर्चा संयोजक रविंद्र कुमार, छात्र मोर्चा प्रभारी कमलेश चौधरी, छात्र मोर्चा अध्यक्ष रवि कुमार प्रजापति, अधिवक्ता प्रवीण कुमार, उत्तम कुमार, मो. कासिम अंसारी, राज यादव और के.डी. सिंह मुख्य रूप से शामिल थे।

रांची में आज से होगा रणजी का रोमांच, जेएससीए स्टेडियम में होगा झारखंड-दिल्ली मैच

रांची: रणजी ट्रॉफी के रोमांच के बीच रांची में क्रिकेट का बड़ा मुकाबला होने जा रहा है। एलीट ग्रुप-सी में झारखंड और दिल्ली की टीमों आमने-सामने होंगी। सोमवार, 26 अक्टूबर से जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू होने वाले इस चार दिवसीय मुकाबले में दोनों टीमों की नजरें बेहतर प्रदर्शन और अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने पर रहेंगी। झारखंड की कप्तान विराट सिंह के हाथों में होगी, जबकि दिल्ली की कप्तानी आदुष वडोनी करेंगे। धौरेल मैदान पर झारखंड के खिलाड़ियों के पास अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी का दम दिखाने का मौका होगा, वहीं दिल्ली की टीम भी कड़ी चुनौती पेश करने के इरादे से उतरेगी।

हजारीबाग झील की सफाई में जुटे कमांडो सिक्थोरिटी के 100 से अधिक कर्मी

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर शहर में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में रविवार को कमांडो इंडस्ट्रियल सिक्थोरिटी फोर्स के 100 से अधिक कर्मियों ने हजारीबाग झील परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान झील और आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई। साथ ही परिसर में स्थित पेड़ों पर चूने से रंगाई कर स्वच्छता और सुंदरता का संदेश दिया गया। अभियान में नगर निगम के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने भी सहयोग किया। कमांडो इंडस्ट्रियल सिक्थोरिटी फोर्स के संचालक टुनटुन सिंह ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी विशेष पर्व या अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना जरूरी है। इसी उद्देश्य से झील परिसर में सफाई अभियान चलाया गया है।



उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों और नगर निगम के सहयोग से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के प्रयासों को गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व को देखते हुए झील की सफाई की जा रही है, लेकिन स्वच्छता का यह अभियान पर्व के बाद भी जारी रहेगा।

अभियान के दौरान हजारीबाग नगर निगम के नगर आयुक्त ओमप्रकाश गुप्ता ने कमांडो इंडस्ट्रियल सिक्थोरिटी फोर्स के कर्मियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाने के लिए इस तरह की सामाजिक पहल सराहनीय है। वहीं उपमहापौर अविनाश कुमार यादव ने भी

कमांडो सिक्थोरिटी के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि छठ महापर्व को देखते हुए नगर निगम की ओर से सभी छठ घाटों की समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को पर्व के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। अभियान में विभिन्न वादों के पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों की भी सहभागिता रही। छठ महापर्व से पूर्व झील परिसर में चलाए गए इस स्वच्छता अभियान के माध्यम से शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने का संदेश दिया गया।

डाटम-पाटम फॉल में नहाने गए दो युवक गहरे पानी में डूबे, तलाश जारी

बिभा संवाददाता

लातेहार। जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध डाटम-पाटम फॉल में रविवार को नहाने गए चार युवकों में से दो युवक गहरे पानी में डूब गए। लापता युवकों की पहचान बालुमाथ थाना क्षेत्र निवासी आकिब कुरेशी और पलामू जिले के पांकी निवासी आसिफ अंसारी के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों की तलाश शुरू की गई। देर शाम अंधेरा होने के कारण बचाव अभियान में परेशानी हो रही थी। जानकारी के अनुसार, चारों युवक रविवार को घूमने के लिए डाटम-पाटम फॉल पहुंचे थे। इसी दौरान वे नहाने के लिए पानी में उतर गए। नहाते समय आकिब कुरेशी और आसिफ अंसारी गहरे पानी में चले



गए और डूबने लगे। दोनों को डूबता देख लोग ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी की गहराई अधिक होने के कारण दोनों युवक लापता हो गए।

इधर घटना की सूचना मिलने पर हेरहंज थाना प्रभारी सत्येंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की सहायता से दोनों युवकों की तलाश शुरू कराई जा रही है। हालांकि, देर शाम तक उनका कोई पता नहीं चल पाया था। थाना प्रभारी ने बताया कि लापता युवकों की तलाश के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

दिल्ली चलो रैली से कितना बदलेगा सियासी परिदृश्य?



सौरभ वार्ष्णेय

चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और सरकार-सभी की जवाबदेही जनता के प्रति है। यदि ‘दिल्ली चलो अभियान इस जवाबदेही को मजबूत करने और मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस पहल का माध्यम बनता है, तो इसका महत्व किसी एक रैली या राजनीतिक टकराव से कहीं अधिक होगा।

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिक अधिकारों की अभिव्यक्ति का आधार है। ऐसे में जब चुनाव प्रक्रिया अथवा मतदाता सूची की शुद्धता पर सवाल उठते हैं, तो उनका महत्व किसी एक राजनीतिक दल या गठबंधन तक सीमित नहीं रहता। यह लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा विषय बन जाता है। इसी संदर्भ में इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग के खिलाफ अपना राजनीतिक अभियान तेज करने की तैयारी की है। गठबंधन की प्रस्तावित ‘दिल्ली चलो रैली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रतीकात्मक ‘जन महाभियोग की घोषणा ने चुनावी पारदर्शिता, संवैधानिक जवाबदेही और विपक्ष की राजनीति को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। वहीं एसआईआर का आशय था कि मतदाता सूचि को संशोधित किया जाये जबकि बार बार सिस्टम की नाकामी साबित सामने आ रही है। ऐसे में इंडिया गठबंधन के दिल्ली चलो रैली से किना सियासी परिदृश्य बदलेगा यह देखने वाली बात होगी?

इंडिया गठबंधन को ले तो इनके प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 30 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रतीकात्मक ‘जन महाभियोग आयोजित किया जाएगा, जबकि एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में ‘दिल्ली चलो’ रैली होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के अनुसार, इस कार्यक्रम के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की मांग को लेकर जनता के सामने अपना पक्ष रखा जाएगा। गठबंधन का आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं। हालांकि, इन आरोपों की वास्तविकता का आकलन संबंधित तथ्यों, दस्तावेजों और चुनाव आयोग के जवाब के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मतदाता सूची तैयार करना और उसे नियमित रूप से अद्यतन रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल हों और अपात्र नाम हटाए जाएं, यह सुनिश्चित करना निर्वाचन व्यवस्था की जिम्मेदारी है। लेकिन इस प्रक्रिया में किसी पात्र नागरिक का नाम छूटने, गलत तरीके से हटने या किसी अन्य प्रकार की त्रुटि की शिकायत सामने आती है, तो उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। एसआईआर जैसी प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाना हो सकता है, लेकिन उसकी सफलता



केवल प्रशासनिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि पारदर्शिता और नागरिकों के भरोसे से तय होगी। यदि किसी मतदाता को अपना नाम हटाए जाने या शामिल नहीं किए जाने की आशंका है, तो उसे आपत्ति दर्ज कराने, दस्तावेज प्रस्तुत करने और समयबद्ध समाधान प्राप्त करने का प्रभावी अवसर मिलना चाहिए। विशेष रूप से गरीबों, प्रवासी श्रमिकों, बुजुर्गों और उन नागरिकों के लिए व्यवस्था सरल होनी चाहिए, जिनके पास आवश्यक दस्तावेज जुटाने के सीमित साधन हैं। इंडिया गठबंधन ने इसी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को अपना प्रमुख मुद्दा बनाया है। अब महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्ष अपने आरोपों को ठोस प्रमाणों के साथ सामने रख पाएगा और क्या चुनाव आयोग प्रत्येक शिकायत का स्पष्ट एवं तथ्यपरक उत्तर देगा? लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप लगाने का अधिकार विपक्ष को है, लेकिन आरोपों की जांच और निष्कर्ष तथ्यों के आधार पर ही निकलने चाहिए। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसकी विश्वसनीयता लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारी केवल चुनाव संपन्न कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून के अनुरूप हो। आयोग के प्रति जनता का विश्वास कमजोर पड़ता है, तो चुनाव परिणामों की स्वीकार्यता

और राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए चुनाव आयोग को विपक्ष की आलोचना को केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय, जहां आवश्यक हो, तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। मतदाता सूची में संशोधन, नाम हटाने की प्रक्रिया, दावों और आपत्तियों के निस्तारण तथा शिकायतों पर कार्रवाई से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करना इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है। दूसरी ओर, किसी संवैधानिक पदाधिकारी पर लगाए गए आरोपों को प्रमाणित मान लेना भी उचित नहीं होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस्तीफे की मांग करना विपक्ष का राजनीतिक अधिकार है, लेकिन पद से हटाने की प्रक्रिया संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों के अनुरूप ही हो सकती है। प्रतीकात्मक ‘जन महाभियोग जनता के बीच राजनीतिक संदेश देने का माध्यम हो सकता है, परंतु वह अपने आप में किसी संवैधानिक पदाधिकारी को हटाने की औपचारिक कानूनी प्रक्रिया का विकल्प नहीं है। रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली इंडिया गठबंधन के लिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने का अवसर भी होगी। चुनावी पारदर्शिता जैसे मुद्दे पर विपक्ष विभिन्न दलों को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहा है। यदि गठबंधन इस अभियान को

केवल नारों और आरोपों तक सीमित रखने के बजाय प्रभावित मतदाताओं की शिकायतों, दस्तावेजी साक्ष्यों और सुधार के ठोस सुझावों से जोड़ता है, तो उसे व्यापक जनसमर्थन मिल सकता है।लेकिन विपक्ष के सामने एक चुनौती यह भी है कि जनता के सामने उसकी विश्वसनीयता केवल सरकार या चुनाव आयोग की आलोचना से नहीं बनेगी। उसे यह बताना होगा कि मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर करने के लिए वह कौन-से व्यावहारिक उपाय चाहता है और नागरिकों के मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए उसकी स्पष्ट कार्ययोजना क्या है। राजनीतिक दलों के लिए यह भी जरूरी है कि वे अपनी शिकायतों को संबंधित वैधानिक मंचों पर उठाएं और उपलब्ध कानूनी उपायों का उपयोग करें।वहीं, सत्तापक्ष और चुनाव आयोग की ओर से भी अपेक्षा की जाती है कि वे इस मुद्दे को केवल विपक्ष की राजनीति बतकार टालने के बजाय सार्वजनिक विश्वास को मजबूत करने वाले कदम उठाएं। लोकतंत्र में संस्थाओं की प्रतिष्ठा आलोचना से नहीं, बल्कि पारदर्शी कामकाज, जवाबदेही और निष्पक्ष आचरण से मजबूत होती है। इंडिया गठबंधन की ‘दिल्ली चलो रैली और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रस्तावित प्रतीकात्मक कार्यक्रम का वास्तविक महत्व इस बात से तय होगा कि इससे मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर कितनी सार्थक चर्चा आगे बढ़ती है। केवल भीड़ जुटाना या राजनीतिक आरोपों को दोहराना किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। इसी तरह, शिकायतों को अनदेखा करना भी लोकतांत्रिक विश्वास के लिए उचित नहीं होगा। जरूरत इस बात की है कि मतदाता सूची से जुड़ी प्रत्येक गंभीर शिकायत की निष्पक्ष जांच हो, प्रभावित नागरिकों को न्याय मिले और चुनाव आयोग अपने निर्णयों तथा प्रक्रियाओं के संबंध में पर्याप्त पारदर्शिता बनाए रखे। विपक्ष को भी अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए और राजनीतिक आंदोलन को संस्थागत सुधारों से जोड़ना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती सत्ता पक्ष की जीत या विपक्ष की हार से नहीं, बल्कि इस विश्वास से तय होती है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मत सुरक्षित है और चुनाव प्रक्रिया कानून के अनुसार निष्पक्ष ढंग से संचालित है। अंततः चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और सरकार-सभी की जवाबदेही जनता के प्रति है। यदि ‘दिल्ली चलो अभियान इस जवाबदेही को मजबूत करने और मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस पहल का माध्यम बनता है, तो इसका महत्व किसी एक रैली या राजनीतिक टकराव से कहीं अधिक होगा।

संपादकीय

भारत-अमरीका तेल गठबंधन

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप अचानक इतने विनम्र और दोस्ताना क्यों हो गए हैं? भारत के लिए अच्छी-अच्छी बातें करने लगे हैं। उन्हें पूरी उम्मीद है कि भारत के साथ व्यापार-समझौता जरूर होगा। ट्रंप लगातार बयान देते रहे हैं कि यह समझौता अंतिम चरण में है। अमरीकी राष्ट्रपति ने अपने प्रतिनिधि के तौर पर विदेश मंत्री एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रूबियो को भारत भेजा। तीन दिन के प्रवास के दौरान रूबियो ने भारत को ‘रिफाइनिंग सुपरपॉवर’ करार दिया। उन्होंने रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी के अलावा अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन सरीखे शीर्ष उद्योगपतियों से मुलाकातें कीं। यह कर्मशियल कूटनीति का स्पष्ट संकेत है। अमरीकी विदेश मंत्री को रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी तक जाना पड़ा, क्योंकि वह जानते हैं कि वेनेजुएला के सल्फर-बहुल, भारी, निम्न दर्जे के कच्चे तेल का शोधन जामनगर रिफाइनरी ही कर सकती है। रिफाइनिंग के क्षेत्र में भारत अमरीका, चीन, रूस के बाद चौथा सक्षम देश है और जामनगर समेत भारत की 23 रिफाइनरियां दुनिया में 21 फीसदी से अधिक भागीदारी निभा रही हैं। अमरीका और यूरोप भारत के पेट्रो उत्पादों-डीजल, पेट्रोल, विमान ईंधन आदि-के बड़े खरीददार हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था और प्रभुत्व का यह नया चेहरा तब सामने आया है, जब अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने राष्ट्रपति ट्रंप की इच्छा जाहिर की है कि तेल के क्षेत्र में भारत-अमरीका गठबंधन बनाया जाए। भारत अमरीका का रणनीतिक साझेदार तो है, लेकिन भारत अपनी तेल-जरूरतों की पूर्ति अमरीका के जरिए कर सकता है। इस तरह अमरीका भारत के साथ संबंधों को नया आधार, आयाम और नई मजबूती देने का पक्षधर है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 100 फीसदी टैरिफ थोपने वाला कानून फिलहाल ठंडे बस्ते में रख दिया है, क्योंकि खुद अमरीका रूस से डीजल का आयात कर रहा है। नए परिदृश्य में हमने अमरीका से जनवरी-सितंबर में करीब 1.28 लाख बैरल कच्चा तेल प्रतिदिन खरीदा था, लेकिन अक्तूबर में यह आयात घटा कर करीब 91,000 बैरल करना पड़ा। अमरीकी तेल कई दिनों बाद सप्लाई होता है और परिवहन की लागत के कारण महंगा भी पड़ रहा था।

भारत अमरीका से 8 अरब डॉलर से अधिक का तेल आयात करता है। बहरहाल भारत ने रूस से तेल का आयात जारी रखा है, लेकिन खाड़ी देशों पर निर्भरता काफी कम कर दी है। ईरान युद्ध और समुद्री मार्ग की नाकेबंदी बुनियादी वजह हो सकती है। चूंकि वेनेजुएला दुनिया में सबसे बड़ा तेल-उत्पादक और निर्यातक देश है, उस पर अब अमरीका का कब्जा है, लिहाजा विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने विकल्प रखे हैं कि भारत अब रूस के बजाय अधिकतम तेल अमरीका से ही आयात करे। अमरीका ने अब प्रतिबंधों की भाषा बोलनी बंद कर दी है। अमरीका वेनेजुएला का भारी तेल रिलायंस रिफाइनरी से ही शोधित कराना चाहता है, डाटा क्षेत्र में भी अंबानी, अदाणी समूहों की काफी सक्ति भूमिका है, लिहाजा आज अमरीका अप्रत्याशित रूप से विनम्र दिख रहा है और भारत के साथ तेल गठबंधन की बात कर रहा है। कभी अमरीका भारत को ‘बाजार और उद्योग की चीटी’ मानता था, लिहाजा बात करना भी अपना अपमान समझता था, लेकिन अब विश्व और व्यापार के समीकरण बदल चुके हैं। भारत अब विश्व-व्यवस्था में महाशक्ति के तौर पर मौजूद है। यह नए दौर, नई व्यवस्था, नई ‘सुपरपॉवर’ के साथ नए किस्म के राजनयिक संबंधों की शुरुआत है। वैसे भी राष्ट्रपति ट्रंप अभी अपनी राजनीति और लोकप्रियता के निम्नतम पायदान पर हैं, उन्हें करीब 31 फीसदी लोग ही समर्थन दे रहे हैं, करीब 68 फीसदी कर लगाने की उनकी आर्थिक नीतियों के खिलाफ हैं, उनमें 37 फीसदी रिपब्लिकन समर्थक भी हैं, लिहाजा उन्हें कुछ कर दिखाने की जरूरत है। अमरीका को पेट्रो उत्पादों की सख्त जरूरत है, डीजल-पेट्रोल के दाम अप्रत्याशित स्तर पर बढ़ाए जा रहे हैं, ईरान युद्ध में अमरीका के करीब 265 अरब डॉलर फूंक दिए जा चुके हैं, लिहाजा ट्रंप रक्षात्मक स्थिति में हैं कि लोकप्रियता को कैसे बहाल किया जाए? भारत इस संदर्भ में मदद कर सकता है, क्योंकि तेल-शोधन की उसकी क्षमताएं अमरीका भी जान चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत ट्रंप पर निर्णायक विश्वास करने का जोखिम उठा सकता है? ट्रंप की जिस तरह की गतिविधियां रही हैं, उनको देखते हुए उन पर विश्वास करना कठिन है। वह पहले दिन कहते हैं कि इरान से जंग खत्म होने वाली है, और दूसरे दिन कहते हैं कि अमरीका उस पर निर्णायक प्रहार करेगा। पहले दिन कहते हैं कि भारत पर ज्यादा टैक्स नहीं लगाएगा, दूसरे दिन सौ प्रतिशत कर लगाने की बात दोहराते हैं। इस तरह की उनकी मनोस्थिति में उन पर विश्वास नहीं होता है।

सऊदी अरब की अल मजाल कंपनी में काम करने वाले बांग्लादेश के दो नागरिकों नजरूल इस्लाम अब्दुल बासिर (पुरुष-22) और स्वीटी अख्तर (महिला) को गत 14 अक्टूबर को मक्का क्षेत्र में मृत्युदंड दे दिया गया। नजरूल इस्लाम बांग्लादेश के ब्राह्मणबाड़िया जिले के रहने वाले थे जबकि स्वीटी अख्तर तंगाइल जिले की निवासी थीं। यह दोनों एक दूसरे के दोस्त थे और 2022 के अंत में सऊदी अरब पहुँच कर वहाँ की अल मजाल नामक कंपनी में सफाई कर्मचारी के रूप में काम करने लगे थे। उन्हें मई 2023 में सऊदी अरब की पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन पर आरोप था कि इन दोनों ने सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का की एक मस्जिद के कमरे में अवैध व अनैतिक रूप से यौन कृत्य किया। बताया जा रहा है कि सुरक्षा अधिकारियों ने इन दोनों को पवित्र शहर मक्का के भीतर एक मस्जिद परिसर में इसी अभद्र



तनवीर जाफरी

कृत्य करने के आरोप में रगे हाथों गिरफ्तार किया था। इस मामले में 39 महीने तक यह दोनों जेल में रहे और इस बीच सुनवाई चलती रही। सऊदी गृह मंत्रालय के अनुसार इस घटना की गहन जांच की गई। उसके बाद निचली अदालत में मुकदमा चला। इसके बाद 13 न्यायाधीशों के पुनर्विचार करने वाले एक उच्च पैराल ने भी इस सजा को बरकरार रखा, जिसके बाद ही शाही फरमान के जरिए इसे लागू किया गया। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, यह अपराध मक्का क्षेत्र में एक पवित्र मस्जिद परिसर के भीतर हुआ था। इस्लाम धर्म में मक्का और वहाँ की मस्जिदों को बेहद पवित्र माना जाता है। सऊदी न्यायशास्त्र के अनुसार, ऐसे स्थानों पर अनैतिक कृत्य करना एक गंभीर धार्मिक और कानूनी अपराध है, जिसके लिए कठोरतम सजा का प्रावधान है। फांसी की यह सजा ताज़ीर के तहत दी गई थी। शरिया में ताज़ीर उन अपराधों के लिए होता है जिनकी सजा कुरान या हदीस में तय नहीं होती, बल्कि न्यायाधीश स्वयं अपराध की गंभीरता और समाज पर उसके प्रभाव को देखते हुए मौत की सजा तक का फैसला ले सकते हैं। ताज़ीर कानून का अर्थ एक ऐसी सजा को इतिहास में भूलो न जा सके और जिसे सुनकर कोई भी व्यक्ति कभी भी ऐसी हरकत करने की भी ना सोचे। इस सजा की भले ही बांग्लादेश सहित विभिन्न मानवाधिकार संगठनों द्वारा आलोचना क्यों न की जा रही हो परन्तु सऊदी अरब के गृह मंत्रालय और न्यायिक अधिकारियों के दृष्टिकोण से इस सजा को उनके देश के कानूनों के अनुसार उचित माना गया है। फांसी देने के



सोहिल जैन

मौलिक अधिकारों, धार्मिक स्वतंत्रता, मताधिकार, संवैधानिक संस्थाओं की शक्ति पर संसद के अधिकार सीमित... भारतीय संविधान केवल शासन चलाने का दस्तावेज नहीं, बल्कि नागरिकों की स्वतंत्रता, समानता और लोकतांत्रिक अधिकारों का संरक्षक है। संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार अवश्य है, लेकिन यह अधिकार असੀमित नहीं है। संसद के दोनों सदन मिलकर भी संविधान के मूल ढांचे को समाप्त नहीं कर सकते। यही भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी संवैधानिक शक्ति है। 26 नवंबर 1949 को संविधान अंगीकृत किया गया, 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। संविधान निर्माताओं ने ऐसी व्यवस्था बनाई, जिसमें संसद, सरकार और न्यायपालिका सभी संविधान के अधीन अपने कर्तव्यों और अधिकारों का पालन करें। संसद कानून बना सकती है, सरकार उनका क्रियान्वयन कर सकती है, न्यायपालिका को समीक्षा का अधिकार दिया गया। किसी को भी संविधान की मूल भावना को कम या नष्ट करने का अधिकार नहीं है। भारतीय संस्कृति में ब्रह्म विष्णु और महेश तीनों भगवानों के पास अलग-अलग दायित्व हैं। संविधान निर्माताओं ने भारतीय संस्कृति में नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए इहँ ही तीन शक्तियों को विधायक का कार्यपालिका और न्यायपालिका के रूप में स्वीकार किया जनता जनार्दन अपनी मर्जी से सरकार चुनेगी, चुने हुए प्रतिनिधि जनता की इच्छा को सर्वोपरि मानते

हुए जनता के अधिकारों की रक्षा करेंगे।यह भारतीय संविधान की मूल भावना है। संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता को ही राजा माना गया है। संसद की शक्ति पर सुप्रीम कोर्ट की ऐतिहासिक मुहर 24 अप्रैल 1973 को सुप्रीम कोर्ट ने केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया। 13 न्यायाधीशों की पीठ ने 7८६ के बहुमत से स्पष्ट किया। संसद अनुच्छेद 368 के तहत संविधान के किसी भी प्रावधान में संशोधन कर सकती है, लेकिन संविधान के मूल ढांचे में छेड़छाड़ और उसे समाप्त नहीं कर सकती है। इस फैसले ने संसद की संशोधन शक्ति की संवैधानिक सीमा निर्धारित कर दी है। लोकतंत्र, कानून का शासन, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, न्यायिक समीक्षा और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव जैसी विशेषताएं संविधान के मूल ढांचे से जुड़ी हुई हैं। इसका अर्थ है कि संसद अपने बहुमत के बल पर ऐसी व्यवस्था स्थापित नहीं कर सकती, जिसमें नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकार और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता समाप्त हो जाए। इस मामले में विधायिका और कार्यपालिका के अधिका भी सीमित हैं। मौलिक अधिकारों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता भारतीय संविधान के भाग तीन में अनुच्छेद 12 से 35 तक मौलिक अधिकारों का प्रावधान है। अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता, अनुच्छेद 19 नागरिक स्वतंत्रताओं, अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता तथा अनुच्छेद 25 से 28 धार्मिक स्वतंत्रता से संबंधित प्रावधान हैं। अनुच्छेद 32 नागरिकों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन होने पर सीधे सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार देता है। संविधान का संरक्षक सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को बनाया गया। उच्च न्यायालयों को अनुच्छेद 226 के अंतर्गत रिट के माध्यम से अतिरिक्त शक्ति प्राप्त है। जो विधायिका और कार्यपालिका के ऊपर न्यायपालिका की नियंत्रण शक्ति है। इसका अर्थ यह नहीं है, मौलिक अधिकारों से संबंधित किसी भी प्रावधान में संशोधन नहीं हो सकता

है। संसद संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार संशोधन कर सकती है। लेकिन ऐसे सभी संशोधन न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं। संविधान के मूल ढांचे में संसद भी छेड़छाड़ नष्ट नहीं कर सकती है। आपातकाल ने सिखाया संवैधानिक सीमाओं का महत्व 1975 से 1977 के आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं और न्यायिक समीक्षा पर गंभीर सवाल उठे। वर्ष 1976 के 42वें संविधान संशोधन ने संसद की संशोधन शक्ति को व्यापक बनाने और न्यायिक समीक्षा को सीमित करने के प्रयास किए थे। 1980 में मिर्नाबा मिल्स बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 42वें संशोधन के उन प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित कर दिया, जिसमे संसद की संशोधन शक्ति को असीमित बनाने और न्यायिक समीक्षा को समाप्त करने का प्रयास किया था। अदालत ने स्पष्ट किया, सीमित संशोधन शक्ति स्वयं संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है। मतदान का अधिकार, लोकतंत्र और संविधान की असली ताकत मतदान भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला है। अनुच्छेद 326 मे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों में वयस्क मताधिकार का संवैधानिक आधार प्रदान करता है। मतदान के अधिकार की कानूनी प्रकृति मौलिक अधिकारों से अलग है। इसे संविधान और चुनाव संबंधी कानूनों के प्रावधानों के अनुसार समझना आवश्यक है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नागरिक के मूल अधिकार तथा लोकतांत्रिक शासन संविधान के मूल ढांचे के महत्वपूर्ण अंग हैं। इसलिए संसद या सरकार ऐसी व्यवस्था नहीं बना सकती, जो लोकतंत्र की बुनियादी अधिकारों को नष्ट या सीमित कर सके। संसद को संविधान से शक्ति प्राप्त होती है। संविधान संसद ने नहीं बनाया। विधायिका को बहुमत के आधार पर सरकार बनाने का अधिकार मिलता है। संविधान की मूल भावना को समाप्त करने का अधिकार संसद के पास नहीं है। भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इसी में है, जिसमे नागरिकों के अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, समानता और निष्पक्ष चुनाव सरकार की इच्छा पर नहीं, बल्कि संवैधानिक मर्यादाओं और

परंपराओं पर आधारित हों। न्यायपालिका की समझा के अंतर्गत संवैधानिक संस्थाएं भारत में सभी संवैधानिक संस्थाएं जिन्हें संवैधानिक अधिकार मिले हुए हैं, वह सभी न्यायपालिका की समीक्षा के अंतर्गत आते हैं। चुनाव आयोग की न्यायपालिका की समीक्षा के अंतर्गत है। चुनाव आयोग को ऐसे कोई अधिकार संविधान से नहीं मिले, जिससे वह अपनी मनमानी कर सके। चुनाव आयोग को भी नियमों के अंतर्गत काम करना होगा। चुनाव में सभी राजनैतिक दलों को ऐसा अवसर प्राप्त हों, सभी नागरिक अपने मतदान के अधिकार का उपयोग कर पायें। इसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग के पास है, वह भी जवाबदेह है। पिछले कुछ वर्षों से चुनाव आयुक्तों की निजुक्ति और चुनाव आयोग पर सरकार की दखलंदाजी बढ़ी है।केंद्रीय चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से दूरी बनाई। चुनाव के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में वह निष्पक्षता देखने को नहीं मिली। जो इसके महत्व चुनाव आयोग में देखने को मिलती थी। मतदाता सूचियों को लेकर भी जिस तरह के बदलाव किए गए। बीएलओ और ईआरओ के अधिकार चुनाव आयोग ने सीमित कर दिये चुनाव व्यवस्था के केंद्रीकरण करते हुए चुनाव परिणाम में केंद्रीकृत व्यवस्था से किए जाने लगे, जिसके कारण देश भर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगा जा रहा है। देश में पहली बार चुनाव आयोग के प्रति इतना अविश्वास देखने को मिल रहा है। देश भर में आंदोलन चल रहे हैं। स्वतंत्रता की बात से अभी तक के इतिहास में पहली बार 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। नागरिकों के अधिकार को चुनाव आयोग द्वारा चुनौती दी गई है। ऐसा करने का उनके पास कोई अधिकार भी नहीं था। ऐसी स्थिति में सभी संवैधानिक संस्थाओं को समझना होगा,उनके अधिकार और जिम्मेदारी दोनों ही समीक्षा के अधिकार और जवाबदेही से अलग नहीं हैं। कोई भी संस्था संविधान से मिले अधिकारों का दुरुपयोग या मनमानी नहीं कर सकती है।

कष्ट में ही होते हैं प्रभु के दर्शन

मैं को को सदैव कष्ट में ही प्रभु के दर्शन हुए हैं। अतः सच्चा भक्त भगवान से दुःख ही दुःख मांगता है। संकट का समय भक्त की परीक्षा काल होता है। नृसिंह भगवान के दर्शन प्रह्लाद को दुःख ही हुए थे। भुव यदि अपनी सौतेली माँ से अपमानित न होते तो उन्हें प्रभु-प्राप्ति कैसे होती। अहिल्या पाषाण-मूर्ति होकर ही प्रभु-स्पर्श की अधिकारिणी बनकर प्रभु को प्राप्त कर सकी। प्रभु अपने प्रिय भक्तों के संकट देख नहीं सकते। उन्हें भक्त की आर्त पुकार सुनकर गंगे पैर दौड़कर आना ही पड़ता है। भगवान श्री कृष्ण गीता में कहा है। कि सगुणोपासक भक्तों की भगवान नन्हें शिशु की तरह रक्षा करते हैं। अतः ज्ञान पाकर भी पंडित भक्ति नहीं छोड़ते। भक्ति मार्ग में सबसे सरल, सुगम, साधन प्रभु का नाम-स्मरण बताया गया है। पूर्ण स्वेण प्रभु के अधीन हो उनके नाम स्मरण से जीव को शाखत सुख की प्राप्ति होती है। कलियुग में भवसागर पार करने का एक मात्र सुगम साधन यही है। गोरवामी तुलसी दास जी ने श्री राम चरित मानस में प्रभु के नाम-स्मरण की महिमा का स्थान-स्थान पर वर्णन किया है। भगवान नाम-साधना एवं भगवान नाम स्मरण से प्राणी में अलौकिक दिव्य प्रकाश का उदय होता है। जिसकी जिह्वा के अग्रभाग में हरि' ये दो अक्षर विराजमान रहते हैं वह विष्णुलोक को प्राप्त करता है। ऐसे मनुष्य का पुनः जन्म नहीं होता। साधक जो फल तपस्या, योगाभ्यास और समाधि द्वारा भी प्राप्त नहीं कर पाता वह फल केवल हरिनाम- कीर्तन के अत्यन्त सरल उपाय से तत्काल प्राप्त कर लेता है। कलियुग में तो हरिनाम कीर्तन की ही विशेष महिमा है।



भगवन्मय है सारा संसार

अज्ञान जनित योगोलोलुपता के अहंकार ने हमारे ज्ञान को ढक लिया है और चारों ओर से इस अंधकार को और भी धन करने की भरसक कोशिश हो रही है। इस अंधकार की घनता को ही ज्ञान का प्रकाश कहा जाता है। मनुष्य की वृद्धि आज उल्लू और चमगादड़ की दृष्टि जैसी हो गई है। जैसे इन पक्षियों को दिन में अंधेरा और रात को प्रकाश नजर आता है, वैसे ही हमें आज अंधकार में ही प्रकाश का भ्रम हो रहा है। इसी से हम ' कामोपयोगपरायण होकर सैकड़ों आशा की फासियों में बंधे हुए काम-क्रोधादि साधनों से "कामयोगार्थ" अन्यायपूर्वक अर्थ प्राप्ति के उपायों में लगे रहे हैं। मोह ने हमें घेर लिया है, अभिमान ने हमें अंधा कर दिया है। लोग ने हमारी वृत्ति को बिगाड़ दिया है। मद ने हमें उन्मत्त बना दिया है। इसी से हम आज अहंकार, बल, दुर्प, काम, क्रोध का आश्रय लेकर सर्वभूतस्थित भगवान के साथ देश करने लगे हैं। इन आसुरी भावों का परिणाम नरक की यंत्रणाएं और अधम गति के सिवा और क्या हो सकता है? उपाय क्या है? उपाय है भगवदाराधन जिन लोगों को भगवान में कुछ भी विश्वास है है वे सबकी ऐसी वृद्धि होने के लिए भगवान से सरल श्रद्धायुक्त आकृतिम प्रार्थना करें, उठते हुए भगवद् विखाज को अपने शुभ आचरण और सच्ची भक्ति के द्वारा फिर जमायें भगवत् श्रद्धा के सूखते हुए वृक्ष की जड़ को सच्ची निर्भरता की अश्रुजल-धारा से खींचें। आप्तवचनों पर श्रद्धा करें। ऋषिमुनियों को भ्रान्त मानना छोड़ दें। जीवन को तप संयम से पूर्ण बनाकर भगवन् कृपा का आश्रय ग्रहण करें। अटल विश्वास तथा परम श्रद्धा के साथ भगवान के श्रीचरणों की सेवा करें। और उनके पवित्र नाम का जाप करें। मनुष्य को सावधान होकर यह सोचना चाहिए कि यहां सभी योग-सुख अनित्य हैं, बिजली की भांति चंचल हैं। शरीर कच्चे घड़े के समान अचानक जरा सी ठेस लगते ही नष्ट हो जाने वाला है। इसलिये भोगों से मन हटाकर भगवान में प्रेम करें । संसार के लिए भगवान को भी न भुलाया जाए। भगवान के लिए संसार को छोड़ना पड़े तो आपत्ति नहीं, परंतु संसार के लिए भगवान कभी न छूटें। यदि मनुष्य इस प्रकार निश्चय कर ले तो फिर संसार को छोड़ने की भी जरूरत नहीं पड़ती सारा संसार भगवन्मय ही तो है।

आज भोगों के लिए तप होते हैं

हमारा पूरा जीवन ही भौतिकवादी हो गया है। ब्राह्म वस्तुओं के लिए, इन्द्रिय भागों के लिए वह बिक गया है। मांस के टुकड़ों के लिए चील-कौओं की भांति लड़वाई होने लगी है। किसी जमाने में परमात्मा प्राप्ति के लिए तप किए जाते थे लेकिन आज भोगों की प्राप्ति के होते हैं। कभी भगवान के प्रति आत्म समर्पण होता था, आज भोगों की प्रतिमा पूजी जाती है। कभी देहरात्मबोहा छोड़कर ब्रह्मात्मबोध किया जाता था अब ब्रह्मात्मबोध की जरूरत नहीं समझी जाकर उस रास्ते के पथिकों को भी देहात्मबोध की शिक्षा दी जाती है। बड़े-बड़े मनीषी तपस्वी संन्यासी पुख्त भी आज भोगों की प्राप्ति करने-कराने के लिए जीवन की और धर्म की बाजी लगाये बैठे हैं। एवं इसी को धर्म समझा जा रहा है। पर योगपरायणता-इन्द्रिय सुख परता का परिणाम क्या होता है। मनुष्यों में राक्षसी भावों का उदय, हेष्-हिंसा प्रविहिंसा का प्रावत्य, घोर अशान्ति ओर सुख के नाम पर दुःख पूर्ण जीवन यापन इसका प्रत्यक्ष प्रमाण भोग सुख और भौतिक सत्ता सामर्थ्य से सम्पन्न समुन्नत कहने वाले देशों की भी बुरी दशा है। परंतु इस दशा को देखना होगा ईश्वरामुखी ज्ञान सम्पन्न तपः-नेगों पर जाले तो छा ही गये है। चाहे वह बुरी-से बुरी हों ऐसा जादू छाया है कि उसने हृदय को ही पराया बना दिया। इसी के परिणाम-स्वस्व आज हम वहां के अनाचार में सदाचार पाप में पुन्य, स्वार्थ्यता में देशभक्ति, अवनि में उन्नति अधर्म में धर्म और पतन में उत्थान का विपरीत हृदय देख रहे हैं। और बस और उसी के प्रवर्तन की अन्धचेष्टा में तत्पर हैं।



प्रभु सर्वान्तर्यामी है

हृदय में परमात्मा का अनुभव हो जाने पर कण कण में वहीं नजर आता है यही सच्चा अनुभव है परमात्मा सम्पूर्ण दिव्य गुणों से युक्त होते हुए भी सम्पूर्ण गुणों से परे है निलिप्त है, इसलिए उन्हें निर्गुण कहा गया है बुद्धिप्रधान व्यक्ति ज्ञानमार्ग का आश्रय लेकर परमात्मा को निर्गुण मानता है परन्तु हृदयप्रधान भावुक भक्त परमात्मा को सगुण मानता है। निराधार नाम, रूप, गुण के अभाव में प्रभु तारतम्य कैसे हो सकता है ? प्रेमाभक्ति के द्वारा जीव भगवान से जुड़ जाता है भक्ति का अर्थ भगवान से योग बताया गया है। सम्पूर्ण जगत व्याप्त परमात्मा की सत्ता का ज्ञान तथा आनन्द हमारे संबंध को जगत से विभक्त करके भगवान के साथ संबंध कराते हैं यही भक्ति है। प्रेमपूर्वक भजन करना भक्ति है ऐसी स्थिति में भगवान के अलावा समस्त सांसारिक बंधन उसके लिए गीण हो जाता है। संसार में यदि भक्त का किसी और से कहीं भी संबंध है तो वह केवल भगवान के नाते ही है। भगवान के साथ सेवा प्रेम एवं विश्वास का संबंध जोड़ लेना ही भक्ति योग है। योग अर्थात् हुडे रहना, अनवरत प्रयत्नशील रहना। चेतना अथवा अचेतावस्था प्रत्येक समय स्थायीस्व से भक्ति भावना का बने रहना शुद्ध भक्ति है। जैसे परिवार के सदस्यों के प्रति सोते, जागते, उठते, बैठते एक स्थायी प्रेम सदा बना रहता है। पुत्र पास हो या दूर, उसका प्रेम तो उतना ही रहता है। वह प्रेम विस्मृति से नष्ट नहीं होता। यह रागात्मक संसार है। भक्ति भी ऐसी ही होनी चाहिए। ऐसी भक्ति रखने वाले भक्त के पीछे स्वयं भगवान चक्कर लगाते हैं।निर्बल साधक के लिए शरणगत होकर प्रभु का स्मरण करना ही एकमात्र अवलम्बन रहता है जिस प्रकार मछली जल के लिए तड़पती है जैसे पुत्रशोक के विहल होकर माता पिता आकुल व्याकुल होते हैं उसी प्रकार सच्चा साधक प्रभु के लिए मन ही मन तड़पता रहता है। उसके लिए सुख दुःख समान हो जाते हैं। वह सब कुछ कृष्णार्पण कर केवल भक्ति मांगता है उसे विश्वास रहता है कि प्रभु सर्वान्तर्यामी है वे जो कुछ करेंगे उसके हित में ही करेंगे।

मनुष्य सुख प्राप्ति के यत्न में उलझा

जिस और मन की गति होती है। उसी ओर प्राणशक्ति का प्रवाह होता है। यदि आप चुपचाप बैठे हुए अपने-आप में कुछ बाहर संसार की सोच रहे हैं। तो ऐसी सोच करने की अवस्था में आपका प्राण भी अपने ही प्रकार से कुछ घुटा-घुटा सा चलता है। परंतु जब आप चिंता रहित की अवस्था में बैठे हैं तो उस समय आपका प्राण भी बड़े आराम से चलता है। कारण कि मन बाहर की उलझन से रहित होकर किसी प्रकार की भी सोच न करता हुआ अपने आप में अंदर रहता है। जिस-जिस प्रकार से मनुष्य के अंदर भय,शोक, राग, द्वेष आदि का कोई ज्ञान होता है। तो उसी ज्ञान के दृग से उसके अंदर उसकी प्राण शक्ति अर्थात् देह का काम चलाने वाली क्रियाशक्ति करती है। यदि आपका ज्ञान बाहर के प्राणी तथा पदार्थों में भटका हुआ है। तो समझों उसके साथ आपका ध्यास भी बाहर ही भटक रहा है। जब प्राण बाहर के ज्ञान के साथ, भटका हुआ है तो उसकी शक्ति भी बाहर ही भटकी हुई रहेगी। वह अपने अंदर एकत्रित नहीं हों पायेगी। यदि मन बाहर संसार से बिना किसी निमित्त के मुक्ति पा जाय तो उसका बाहर से मुक्त प्राण भी देह के अंदर एकत्रित होगा और उस प्राण शक्ति का अपने अंदर ही इकट्ठा होने का सुख होगा, जैसा कि निंदा में होता है। परंतु बच्चे को तो बचपन से ही बाहर से प्राणी तथा पदार्थों के सहारे ही सुख लेने की आदत पड़ी हुई है। और इन तुच्छ सुखों के माप तथा अंतिम परिणाम के बारे में उसका कुछ भी ज्ञान नहीं है। यदि यह ज्ञान कोई मनुष्य अपने अंदर जगा ले कि बाहर के प्राणियों एवं पदार्थों से मिलने वाले सुख थोड़ी देर रहने वाले हैं। और उन्त में ये सुख-दुःखों में ही समाप्त होते हैं। तो इस प्रकार का अर्न्तज्ञान होने का नाम ही विवेक या सत्य का ज्ञान है। यदि इस ज्ञान से उसकी बाहर से मुक्ति हो जाय अर्थात् मन संसार में कहीं भी बंधा न रहे तों उसकी प्राणशक्ति भी अपने आप अंदर सुख भी प्रकट करेगी। परंतु मनुष्य बाहर संसार में ही उलझा-उलझा कर्म करता हुआ सुख प्राप्त करने का यत्न करता रहता है।

कर्म अपनी छाप छोड़ता है

मनुष्य बाह्य संसार में जो कुछ भी कर्म जैसे रिश्ते-नाते जोड़ना तथा कई प्रकार के पदार्थों के साथ ही उनको प्राप्त करने के लिए संबंध जोड़ना इत्यादि करता है या अभी तक उसने किया है, वे सब कर्म वही पर करने के साथ समाप्त नहीं हो जाते अर्थात् प्रत्येक किया गया कर्म अपनी एक छाप अंदर छोड़ जाता है। अब उन सब किये गये कर्मों ने आपके अंदर एक ऐसी शक्ति खड़ी कर दी है। जिसको प्रकृति से बांधने वाला एक रस्सा भी कहते हैं। इस प्रकृति शक्ति के कारण बाहर का भटकना मनुष्य को अंदर ही अंदर आत्मा का सुख पाने के लिए खोखला कर देता है अर्थात् असमर्थ बना देता है और उसकी अपना आपा कुछ खोया-खोया सा अनुभव में संसार में नहीं है। इस अवस्था में उस बाह्य संसार में अधिक भटक हुए मनुष्य को कोई सुख का अनुभव नहीं होता है, यही उसके अंदर दुःख है। इस दुःख से बचने के लिए वह फिर संसार में प्राणी तथा पदार्थों से ही संबंध जोड़ता है। ताकि दुःख के स्थान पर वहीं पुरानी आदतों का कुछ सुख तो मिले। संसार के जिन प्राणियों एवं पदार्थों के संबंध में थोड़ा सुख मिला है मन केवल उन्हीं की स्मृतियां अपने अंदर लिये बैठा है। और वह थोड़ा सा कभी मिला हुआ सुख उसके मन से अब उतरता ही नहीं है अर्थात् मन के अंदर वह पुनः सुख लेने की लालच चिपकी हुई है जो कि बाह्य संसार में उसको बांधे हुए है। सुख को आप छोड़ दें तो उधर संसार का चिंतन ही समाप्त हो जाय और मन अपने आप में लौटना शुरूकर देगा। परंतु आलस्य, सुस्ती के कारण अविद्या में पड़ने के बाद प्रकृति तो उन्हीं पुराने सुखों के संस्कार ही जगायेगी। जो अपने अंदर लिये बैठी है और बाहर संसार के प्राणी एवं पदार्थों की सोच करने के लिए प्रेरित करेगी।

वागमण सिमी प्रशिक्षण शिविर
मामला : अब्दुल सुभान कुरैशी
को सात साल की कठोर कैद

केरल। वर्ष 2007 के वागमण सिमी प्रशिक्षण शिविर मामले में केरल की विशेष अदालत ने आरोपी अब्दुल सुभान कुरैशी को सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जुड़े मामलों की विशेष अदालत ने फैसला आरोपी द्वारा अपने ऊपर लगे आरोप स्वीकार करने के बाद सुनाया। अदालत ने विभिन्न धाराओं के तहत सुनाई गई सजाओं को एक साथ चलाने का आदेश दिया है। विशेष अदालत के न्यायाधीश हफीज मोहम्मद ने महाराष्ट्र के ठाणे निवासी कुरैशी को विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम (यूपीए) की धारा 10(ए) के तहत एक साल तथा धारा 20 और 38 के तहत पांच-पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी के तहत भी सात-सात साल की कैद का आदेश दिया गया। अदालत ने कुछ धाराओं के तहत 25-25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। आरोपी पहले जेल में जितनी अवधि बिता चुका है, उस अवधि को सजा में समायोजित किया जाएगा। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के सदस्यों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने की कथित साजिश में 38 आरोपी शामिल थे। इसी सिलसिले में 10 से 12 दिसंबर 2007 के बीच केरल के वागमण स्थित थंगलपारा में शिविर आयोजित किया गया था। अभियोजन ने आरोप लगाया था कि शिविर में प्रतिभागियों को गोली चलाने, बम बनाने और विस्फोटकों के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा, मोटरसाइकिल चलाने, चढ़ाने पर चढ़ने और जिहाद से संबंधित कक्षाएं आयोजित करने की बात भी सामने आई थी।

झांसी में सड़क जाम और हंगामे
के आरोप में पांच किन्नर
गिरफ्तार, केस दर्ज

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में बहाई मांगने को लेकर हुए विवाद के बाद सड़क पर हंगामा करने और यातायात बाधित करने के आरोप में पुलिस ने पांच किन्नरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनुष्का उर्फ अभिषेक, पूजा, नयनतारा रशियन, ममता और महावीरन के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, इनके खिलाफ बलवा, लोक सेवक को चोट पहुंचाने, सरकारी काम में बाधा डालने, सार्वजनिक रास्ता अवरुद्ध करने, अश्लील हरकत और निषेधाज्ञा के उल्लंघन से संबंधित आरोप लगाए गए हैं।

जहरीली शराब से पार्षद
सहित दो की मौत, एक
गंभीर

जांजगीर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर जिले के पामगढ़ में जहरीली शराब के सेवन से पार्षद सहित दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतकों के परिजनों में शोक का माहौल है। गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शराब पीने के बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां दो लोगों को बचाया नहीं जा सका। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन सक्रिय हो गए। जहरीली शराब के सेवन की आशंका को देखते हुए मामले की जांच की जा रही है। शराब के नमूनों की जांच और मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। घटना ने अवैध शराब के कारोबार और उसकी रोकथाम को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यूपी चुनाव: सपा-कांग्रेस गठबंधन में सीट
बंटवारे पर पेंच, 60 से शुरु होगा मोलभाव

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच गठबंधन में सीटों के बंटवारे का मुद्दा अहम बंधन जा रहा है। दोनों दलों के बीच सीटों की संख्या को लेकर सहमति बनाना आसान नहीं दिख रहा है। कांग्रेस जहां अधिक सीटों पर चुनाव लड़कर प्रदेश में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करना चाहती है, वहीं सपा गठबंधन में अपने नेतृत्व और चुनावी रणनीति को प्राथमिकता देना चाहती है। इसके बाद सीटों के बंटवारे पर बातचीत चुनावी प्रदर्शन और जीत की संभावनाओं के आधार पर आगे बढ़ने की उम्मीद है। चर्चाओं के मुताबिक, कांग्रेस पहले 150 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने की बात कर रही थी, लेकिन अब उसकी दावेदारी 200 सीटों तक पहुंच गई है। दूसरी ओर, सपा अपने आकलन के आधार पर करीब 60 से 65 सीटों से बातचीत शुरू करने की तैयारी में है। हालांकि, सीट बंटवारे को लेकर दोनों दलों के बीच अंतिम सहमति सामने आना बाकी है। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव



पहले ही कह चुके हैं कि गठबंधन में सीटों की संख्या से ज्यादा महत्व जीत की संभावना का है। इसी आधार पर दोनों दलों के संगठन की सक्रियता, स्थानीय नेतृत्व, संभावित प्रत्याशियों और सामाजिक समीकरणों का आकलन किया जा सकता है। बीते चुनावों के नतीजे भी बातचीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 399 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन केवल दो सीटों पर जीत मिली थी। सपा के लिए यह प्रदर्शन कांग्रेस की अधिक सीटों की मांग पर मोहल उठने का आधार बन सकता है। वहीं, कांग्रेस वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों को अपनी दावेदारी के समर्थन में

रख सकती है। उस चुनाव में सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। विधानसभा क्षेत्रों के लिहाज से सपा को 183 और कांग्रेस को 39 क्षेत्रों में बढ़त मिली थी। सपा से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों का आकलन किया है। इस आकलन में पिछली जीत के साथ संभावित प्रदर्शन को शामिल किया गया है। पार्टी को उम्मीद है कि बड़ी संख्या में सीटों पर उसकी स्थिति मजबूत रह सकती है। हालांकि, सपा के समूह अपने लोकल नेताओं और टिकट के दावेदारों को संतुष्ट रखने की चुनौती भी होगी। जिन क्षेत्रों में पार्टी नेताओं को टिकट मिलने की उम्मीद है, वहां सीट कांग्रेस के खाते में जाने से असंतोष पैदा हो सकता है। दूसरी ओर, कांग्रेस को कम सीटें मिलने पर उसके कार्यकर्ताओं में गठबंधन में सीमित भूमिका का संदेश जाने की आशंका है। इसके बाद दोनों दलों के लिए सीटों की अदला-बदली, प्रत्याशियों की स्वीकार्यता और जीत की संभावना के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण होगा।

गोवा में कन्नड़ बोलने से नहीं
मिलेगा वोट, मुख्यमंत्री सावंत का
कांग्रेस पर निशाना

पणजी , एजेंसी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा कि राज्य में कन्नड़ भाषा बोलने से वोट हासिल नहीं हो सकते, क्योंकि यहां के लोग कोंकणी भाषा अच्छी तरह समझते हैं। उनका यह बयान कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के गोवा में कन्नड़ भाषा में दिए गए भाषण को लेकर आया है। दोनों राज्यों में राजनीतिक बयानबाजी के बीच यह मुद्दा चर्चा में है। सीएम सावंत ने मुरगांव तालुका में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कोरटालिम विधानसभा क्षेत्र कार्यालय का उद्घाटन कर यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि गोवा की अपनी भाषाई और सांस्कृतिक पहचान है तथा यहां के मतदाताओं से संवाद करने के लिए लोकल भाषा और भावनाओं को समझना जरूरी है। दरअसल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आठ अक्टूबर को कांग्रेस की 'गोंय राखण यात्रा' के दौरान कोरटालिम में आयोजित जनसभा को कन्नड़ भाषा में संबोधित किया था।

चक्रवात का अलर्ट: ओडिशा के पांच जिलों में
स्कूल-कॉलेज बंद, अधिकारियों की छुट्टियां रद्द

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में संभावित चक्रवाती तूफान के खतरे को देखकर राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आंध्र प्रदेश के तट पर 28 अक्टूबर को भीषण चक्रवात के टकराने की आशंका के बीच ओडिशा के 5 जिलों में स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखने का आदेश दिया है। वहीं, सभी जिलाधिकारियों और महत्वपूर्ण विभागों में तैनात अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर उन्हें तत्काल मुख्यालय लौटने के निर्देश दिए हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव का क्षेत्र बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसके आंध्र प्रदेश में बापटल्ला और विशाखापत्तनम के बीच 28 अक्टूबर को तट से टकराने की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 115 से 125 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है, जो बड़कर 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने कहा कि भले ही चक्रवात के आंध्र प्रदेश के तट से

टकराने का अनुमान है, लेकिन ओडिशा सरकार किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहती। उन्होंने अधिकारियों को लोगों की सुरक्षा, संवेदनशील क्षेत्रों से लोगों को निकालने और आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री मांझी के अनुसार, गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरि जिलों में 28 और 29 अक्टूबर को सभी शैक्षणिक संस्थान बंद रहने वाली हैं। अन्य जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद करने का निर्णय संबंधित जिलाधिकारी स्थिति के आकलन के बाद लेने वाले हैं। मौसम विभाग ने 27 से 29 अक्टूबर तक ओडिशा में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। 28 अक्टूबर के लिए पांच जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। कुछ स्थानों पर 20 सेंटीमीटर से अधिक बारिश हो सकती है। दक्षिणी और तटीय इलाकों में 70 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका है। प्रशासन ने मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी है और आपदा प्रबंधन से जुड़ी तैयारियां तेज कर दी हैं।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने की रूसी संसद के
अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोडिन से मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रूस की संघीय संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोडिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने तथा दोनों देशों की संसदों के बीच सहयोग बढ़ाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। बैठक में बिरला ने भारत और रूस के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 80 वर्ष पूरे होने की ओर महत्वपूर्ण उपलब्धि बताकर आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने पर जोर दिया। दोनों पक्षों ने माना कि नियमित संवाद और संसदीय



संपर्क द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने भारत और रूस की संसदों के बीच अंतर-संसदीय आयोग की अगली बैठक आयोजित

करने की संभावनाओं पर विचार करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के सांसदों और संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के बीच लगातार संवाद से आपसी समझ बढ़ेगी और साझा हितों

से जुड़े मुद्दों पर सहयोग को प्रोत्साहन मिलेगा। बैठक में आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। बिरला ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत का समर्थन करने के लिए रूस की प्रशंसा की। दोनों नेताओं ने इस चुनौती से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समन्वय बढ़ाने और विभिन्न देशों के साथ मिलकर प्रभावी प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और भारत की स्थायी सदस्यता के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। ओम बिरला ने इस संबंध में रूस के समर्थन की सराहना की। उन्होंने भारत-रूस संबंधों को और व्यापक बनाने तथा संसदीय सहयोग को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

नासिक कुंभ मेला में मंत्री राणे ने की
मुसलमानों के प्रवेश पर रोक की मांग

-कुंभ में केवल हिंदू दुकानदारों को जगह देने की अपील

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के भाजपा नेता और कैबिनेट मंत्री नितेश राणे ने नदी मुंबई में कार्यक्रम के दौरान नासिक कुंभ मेला में मुसलमानों के प्रवेश और दिवाली पर खरीदारी को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने अगले साल से शुरू होने वाले कुंभ मेला में मुसलमानों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की। साथ ही मेला में केवल हिंदू दुकानदारों को दुकानें लगाने की अनुमति देने की बात कही। उनके बयान से धार्मिक आधार पर भेदभाव को लेकर बहस तेज होने की संभावना है। दिवाली के मौके पर भी मंत्री राणे ने हिंदू व्यापारियों और ग्राहकों से विशेष अपील की। उन्होंने कहा कि हिंदू दुकानदारों को केवल हिंदू ग्राहकों को सामान बेचना चाहिए और हिंदुओं को भी हिंदू दुकानदारों से ही खरीदारी करनी चाहिए। उनके इस बयान को व्यापारिक गतिविधियों में धार्मिक पहचान को प्राथमिकता देने की अपील के रूप में देखा जा रहा है। नितेश राणे इसके पहले भी अपने बयानों को लेकर विवादों में रहे हैं। मद्रासों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने आरोप लगाया था कि वहां डॉक्टर और इंजीनियर तैयार करने के बजाय आतंकवादी बनाए जाते हैं। हालांकि, यह उनका आरोप था। महाराष्ट्र में कथित लव जिहाद के खिलाफ कानून को लेकर भी राणे ने सख्त बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि कानून के तहत दोषियों को सात साल तक जेल में रहना पड़ सकता है।

खरगो का नीतीश पर निशाना, समाजवादी
विचारधारा के नेता का संघ के साथ जाना दुखद

पटना, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगो ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधकर कहा कि समाजवादी विचारधारा से निकले नेता का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा में विश्वास रखने वालों के साथ जाना बहुत दुखद है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगो ने भाजपा और आरएसएस पर भी कई आरोप लगाए। कांग्रेस अध्यक्ष खरगो ने डॉ. श्रीकृष्ण सिंह को बिहार में लोकतंत्र की नींव मजबूत करने वाला प्रमुख नेता बताया। उन्होंने कहा कि श्री बाबू ने जमींदारी

प्रथा समाप्त करने और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण काम किए। उनके योगदान ने राज्य में सामाजिक न्याय को बढ़ावा दिया। कांग्रेस नेता खरगो ने आयोगन समिति का आधार जताकर कहा कि बिहार लोकतांत्रिक परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत की भूमि है। कांग्रेस अध्यक्ष ने बिहार में कांग्रेस सरकारों के इतिहास का उल्लेख कर कहा कि 1937 में श्रीकृष्ण सिंह के नेतृत्व में पहली कांग्रेस सरकार बनी थी। इसके बाद 1947 में दूसरी सरकार स्थापित हुई। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश शासन के दौरान मुख्यमंत्री को प्रीमियर कहा जाता था। वर्ष 1952 के पहले विधानसभा चुनाव के बाद श्रीकृष्ण सिंह मुख्यमंत्री

बने रहे और 3 जनवरी 1961 तक इस पद पर बने रहे। कांग्रेस नेता खरगो ने आरएसएस और भाजपा की विचारधारा की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस की विचारधारा के रहते देश में शांति स्थापित करना मुश्किल होगा। उन्होंने बिहार की जनता से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन का समर्थन करने की अपील की और एसआईआर को लेकर लड़ाई को आजादी की दूसरी लड़ाई बताया। रायचसभा सांसद खरगो ने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस देश के प्रमुख नेताओं की विरासत को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने



कथित 'शुद्धिकरण' की घटना का उल्लेख कर मामले की जांच की मांग भी उठाई। खरगो ने दावा किया कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जांच का आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में राहुल गांधी के हस्तक्षेप के दौरान उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर दी गई।

मणिपुर में शांति बहाली के लिए 36 समुदायों की समिति बनेगी: मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह



मुख्यमंत्री ने पहाड़ी क्षेत्रों के लोगों की उत्सव में भागीदारी पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि कुछ लोग पहले इफाल आने से हिचकिचाते थे, लेकिन इस बार उनकी भागीदारी सकारात्मक संकेत है। 'मेरा ही चोंगबा' उत्सव विभिन्न समुदायों के बीच एकता, सद्भाव और पारस्परिक सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में शांति, सद्भाव और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार सभी 36 समुदायों के प्रतिनिधियों को शामिल कर एक समिति गठित करेगी। मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने इसकी जानकारी देकर कहा कि इस पहल का उद्देश्य विभिन्न समुदायों के बीच एकता और भाईचारे को बेहतर करना है। मुख्यमंत्री ने इंफाल स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय में पहाड़ी क्षेत्रों के विभिन्न जनजातीय प्रमुखों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे राज्य के सभी समुदायों को एकजुट करने के लिए समिति के गठन की संभावनाओं के बारे में पूछा था। इसके बाद राज्य सरकार ने इस दिशा में पहल करने का प्रस्ताव तैयार किया। इसके पहले 'मेरा ही चोंगबा' उत्सव के तहत पैलेस कंपाउंड में पहाड़ी क्षेत्रों के जनजातीय प्रमुखों के लिए एक अतिथि गृह का उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री ने पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों के बीच आपसी विश्वास तथा भाईचारे का प्रतीक बताया। खेमचंद सिंह ने एंग्लो-मणिपुर युद्ध और वर्ष 1819 से 1826 के दौरान मणिपुर पर बर्मा के कब्जे के कठिन दौर का उल्लेख कर कहा कि राज्य की भूमि, पहचान और विरासत की रक्षा में सभी समुदायों ने योगदान दिया है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि उत्सव से राज्य में शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।



संक्षिप्त डायरी

पटना के 70 फीट पर एक लेन से निकल रहे

वाहन, ट्रक का एक्सल टूटने से यातायात बाधित एजेंसी

पटना। पटना के 70 फीट पर ट्रक का एक्सल टूटने से यातायात जाम हो गया है. एक लेन से वाहन निकल रहे हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही है. वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें. पटना के 70 फीट इलाके में ट्रक का पट्टा यानी एक्सल टूट जाने के कारण सड़क पर यातायात प्रभावित हो गया है. ट्रक के बीच सड़क पर खराब होने से एक लेन से वाहनों की आवाजाही बाधित है, जिससे वाहन चालकों को परेशानी हो रही है. दूसरी लेन से कराया जा रहा वाहनों का परिचालन यातायात को पूरी तरह ठप होने से बचाने के लिए फिलहाल दूसरी लेन से वाहनों को निकाला जा रहा है. हालांकि, एक लेन बाधित रहने के कारण इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को सावधानी बरतने की जरूरत है. क्षतिग्रस्त ट्रक हटाने में जुटी यातायात पुलिस पटना यातायात पुलिस क्षतिग्रस्त ट्रक को हटाने और सड़क को पूरी तरह खाली कराने का काम कर रही है. ट्रक हटाने के बाद ही मार्ग पर यातायात सामान्य होने की उम्मीद है. फिलहाल सड़क की स्थिति को ध्यान में रखकर ही आगे बढ़ने की सलाह दी गई है. वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह वाहन चालकों से अपील की गई है कि 70 फीट इलाके से गुजरने से पहले यातायात की स्थिति का ध्यान रखें. जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करें, ताकि बाधित सड़क पर जाम में फंसने से बचा जा सके. पुलिसकर्मियों के निर्देशों का करें पालन यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पालन करने और बाधित लेन में जबरन प्रवेश नहीं करने की अपील की है. मार्ग पूरी तरह सामान्य होने तक धैर्य बनाए रखने और सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने की सलाह दी गई है.

मां जगजननी सिद्धेश्वरी मंदिर में ताला काटकर

चोरी, साउंड सेट और पूजा सामग्री ले उड़े चोर

एजेंसी
पटना। मुजफ्फरपुर में सिद्धेश्वरी मंदिर से चोरों ने साउंड सेट और पूजा सामग्री सहित 50 हजार रुपये की संपत्ति चुरा ली. ग्रामीणों में भारी रोष है. मुजफ्फरपुर जिले के मनियारी थाना क्षेत्र स्थित अमरख हाईस्कूल परिसर में स्थापित मां जगजननी सिद्धेश्वरी मंदिर में शनिवार की देर रात अज्ञात चोरों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया. चोरों ने मंदिर के मुख्य दरवाजे का ताला काटकर भीतर प्रवेश किया और लगभग 50 हजार रुपये मूल्य की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया. इस घटना के बाद से स्थानीय श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, चोरों ने शनिवार की देर रात सुनसान माहौल का फायदा उठाकर मंदिर के प्रवेश द्वार पर लगे ताले को काट दिया. इसके बाद वे मंदिर के अंदर दाखिल हुए और वहां रखे कीमती सामान समेतकर फरार हो गए. चोरी गई सामग्रियों में एक बड़ा साउंड सेट, पीतल की कई घंटियां, पूजा की थालियां और अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक सामग्रियां शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई जा रही है. घटना की खबर मिलते ही मंदिर परिसर में जुटी ग्रामीणों की भीड़ रविवार की सुबह जब मंदिर के मुख्य पुजारी देवेंद्र महतो पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे, तो उन्होंने दरवाजे का ताला टूटा हुआ देखा. मंदिर के अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए. पुजारी ने तुरंत इस घटना की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों को दी. देखते ही देखते यह खबर पूरे इलाके में फैल गई और मंदिर परिसर में स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी हो गई. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची मनियारी पुलिस, शुरु की जांच घटना की सूचना तुरंत मनियारी थाना पुलिस को दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस बल बिना किसी देरी के घटनास्थल पर पहुंचा और पूरे मंदिर परिसर का बारीकी से निरीक्षण किया. पुलिस ने पुजारी और स्थानीय लोगों से घटना के बारे में पूरी जानकारी ली. पुलिस आसपास के संदिग्ध स्थलों और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से पूछताछ कर चोरों की सुरंगकशी में जुट गई है. श्रद्धालुओं में गहरा आक्रोश, जल्द गिरफ्तारी की मांग सिद्ध पीठ माने जाने वाले इस मंदिर में हुई चोरी की घटना से क्षेत्र के लोगों और मां सिद्धेश्वरी के भक्तों में गहरी नाजकामी है. स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि रात में गश्त बढ़ाई जाए और मंदिर में चोरी करने वाले असामाजिक तत्वों की जल्द से जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए तथा चोरी गई सभी धार्मिक सामग्रियों को बरामद किया जाए.

भागलपुर-मुजफ्फरपुर के बीच मंगलवार से

चलेगी निगम की बस, आज जारी होगा किराया एजेंसी

पटना। भागलपुर और मुजफ्फरपुर के बीच 27 अक्टूबर से नई बस सेवा शुरू हो रही है. दिवाली और छठ पर यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी. रूट और किराये की जानकारी जल्द जारी होगी. भागलपुर और मुजफ्फरपुर के बीच यात्रा करने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर है. बिहार राज्य पथ परिवहन निगम सोमवार, 27 अक्टूबर से दोनों शहरों के बीच बस सेवा शुरू करेगा. इसके लिए रूट और किराया निर्धारित करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. रविवार को निगम की ओर से बस के रूट और किराये की जानकारी जारी की जाएगी. क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष कुमार पिछले कई दिनों से बस परिचालन शुरू करने की तैयारी में जुटे थे. फिलहाल भागलपुर से मुजफ्फरपुर के बीच सरकारी या निजी बस सेवा उपलब्ध नहीं है. इस रूट पर यात्रियों के लिए मुख्य विकल्प भागलपुर-मुजफ्फरपुर जनसेवा एक्सप्रेस है, जो प्रतिदिन दोपहर 2:05 बजे भागलपुर से रवाना होती है. ऐसे में सीधी बस सेवा शुरू होने से दोनों शहरों के बीच आने-जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिलने की उम्मीद है. दीपावली और छठ में यात्रियों को मिलेगी राहत भागलपुर-मुजफ्फरपुर के बीच बस सेवा शुरू होने से दीपावली और छठ के दौरान यात्रियों को विशेष राहत मिलने की उम्मीद है. त्योहारों के समय ट्रेनों में सीट नहीं मिलने के कारण लोगों को यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ता है. ऐसे में बस सेवा यात्रियों के लिए एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध कराएगी. त्योहारों के दौरान कई यात्री दिल्ली से मुजफ्फरपुर तक स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस, बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस और गरीब रथ एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों से पहुंचते हैं. इसके बाद भागलपुर आने के लिए उन्हें जनसेवा एक्सप्रेस का सहारा लेना पड़ता है. रविवार को जारी होगी बस के रूट और किराये की जानकारी निगम की ओर से रविवार को बस के निर्धारित रूट और किराये की जानकारी जारी की जाएगी. इसके बाद यात्रियों को यात्रा की योजना बनाने में आसानी होगी. मंगलवार, 27 अक्टूबर से प्रस्तावित परिचालन शुरू होने के साथ भागलपुर और मुजफ्फरपुर के बीच आवागमन का एक नया विकल्प उपलब्ध होगा. सीधी बस सेवा शुरू होने से यात्रियों को केवल ट्रेन पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा. खासकर दीपावली और छठ के दौरान दोनों शहरों के बीच यात्रा करने वाले लोगों को इससे सुविधा मिलने की उम्मीद है.

सीवान में रबी महाभियान के तहत किसानों को प्रशिक्षण एजेंसी

पटना। रबी महाभियान 2026 के तहत किसानों को उन्नत खेती की जानकारी दी गई. चना, मसूर को बुआई, बीज वितरण और आधुनिक कृषि तकनीकों पर प्रशिक्षण. गुठनी प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन परिसर में शनिवार को कृषि विभाग की आत्मा योजना के तत्वावधान में रबी महाभियान-2026 के तहत प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ नवनील नमन और प्रखंड कृषि पदाधिकारी सुशील चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. इस दौरान किसानों को रबी फसलों की बुआई, बीज वितरण, मृदा परीक्षण और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी गयी. चना और मसूर को खेती के लिए किसानों को किया गया जागरूक कार्यशाला में प्रखंड तकनीकी प्रबंधक कृष्णानंद सिंह और सहायक तकनीकी प्रबंधक राम प्रताप चंद्र ने किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि किसानों को चना और मसूर जैसी रबी फसलों के बीज विस्तार कार्यक्रम, फसल अवशेष प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और कृषि यांत्रिकी से जुड़ी योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए. कृषि यंत्रों पर मिलने वाली सब्सिडी और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से खेती को अधिक सुविधाजनक और लाभकारी बनाया जा सकता है.

पटना में डबल मर्डर के आरोपी का एनकाउंटर, पैर में लगी गोली

एजेंसी

पटना। पटना में गैराज मालिक की हत्या का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया. और बख्तियारपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी. जाते पूरी घटना. पटना में एक बार फिर पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हुई है. जानकारी के अनुसार, गैराज मालिक की बीच सड़क पर गोली मारकर हत्या करने के मामले में आरोपी पुलिस एनकाउंटर के दौरान घायल हो गया. आरोपी के पैर में गोली लगी है. पुलिस और एसटीएफ की कार्रवाई जानकारी अनुसार, पटना के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के कल्याण बोधा रोड पर पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ की घटना सामने आई है. मिली जानकारी के अनुसार, इस कार्रवाई में स्पेशल टास्क फोर्स और बख्तियारपुर पुलिस शामिल थी. मुठभेड़ के दौरान सौरभ सिंह के पैर में गोली लगने की बात कही गई है. पुलिस ने उसे और उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया

बिहार के स्कूली वाहनों के लिए नया नियम, अब निजी गाड़ियों का भी रखना होगा पूरा रिकॉर्ड

एजेंसी

पटना। बिहार में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग सख्त हुआ है. स्कूल परिसर में वाहन खड़े करने, निजी गाड़ियों का रिकॉर्ड रखने और ओवरलोडिंग पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं. : बिहार भर में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर स्कूलों में चलने वाली गाड़ियों पर सख्ती की तैयारी है. स्कूल प्रबंधन को परिसर में बच्चों को लाने-ले जाने वाली गाड़ियों को लगाना होगा, ताकि बच्चों को सड़क पार करके गाड़ी पर नहीं बैठना पड़े. इनमें स्कूल की अपनी गाड़ियों के साथ बच्चों को लाने-ले जाने में इस्तेमाल होने वाली निजी गाड़ियां भी शामिल होंगी. निर्धारित सीट के अनुसार बैठेंगे छात्र परिवहन विभाग ने इसको लेकर सभी जिलों को दिशा-निर्देश दिया है. विभाग ने कहा है कि गाड़ियों में बच्चों को निर्धारित सीट के अनुसार ही बैठایा जाये. सीट से अधिक बच्चों को बैठाने, छोटी गाड़ियों में ओवरलोडिंग करने पर संबंधित वाहन के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी. हर तीन माह पर करेगी एमवीआइ बैठक विभाग के मुताबिक इस व्यवस्था का उद्देश्य स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना और परिवहन नियमों का पालन कराना है. इसके लिए मोटर वाहन निरीक्षक (एमवीआइ) हर तीन माह पर स्कूल प्रबंधन के साथ बैठक करेगे. इन बैठकों में अभिभावकों को भी शामिल किया जायेगा, ताकि बच्चों को स्कूल लाने- ले जाने के दौरान होने वाली समस्याओं पर चर्चा कर उनका समाधान किया जा सके. निजी गाड़ियों का भी रखना होगा पूरा रिकॉर्ड विभाग के मुताबिक स्कूलों में बच्चों को लाने-ले जाने के लिए चलने वाली निजी गाड़ियों का भी स्कूल प्रशासन को पूरा डेटा रखना होगा. इसमें वाहन से संबंधित जानकारी के साथ चालक का नाम, मोबाइल नंबर और आधार कार्ड का विवरण रखना अनिवार्य होगा. इससे जरूरत पड़ने पर संबंधित चालक और वाहन की पहचान करने में आसानी होगी. स्कूल प्रबंधन को यह सुनिश्चित करना होगा कि बच्चों को लाने-ले जाने में इस्तेमाल हो रहे वाहनों व चालकों की जानकारी उपलब्ध रहे.

बिहटा पहुंचे शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, MLC जीवन कुमार के परिवार ने अंगवस्त्र देकर किया स्वागत

एजेंसी

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश कुमार तिवारी का पेरव गांव दौरा. एमएलसी जीवन कुमार के आवास पर भोजन और संगठन विस्तार पर चर्चा हुई. शिक्षा व्यवस्था पर भी हुई बातचीत. बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश कुमार तिवारी शनिवार को बिहटा प्रखंड के पेरव गांव पहुंचे. यहां उन्होंने गया शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के विधान पार्षद जीवन कुमार के पૈतृक आवास पर मुलाकात की. मंत्री के आगमन पर जीवन कुमार और उनके परिवार के सदस्यों ने उनका स्वागत किया. इस दौरान परिवार के बीच आत्मीय माहौल देखने को मिला. एमएलसी के पिता ने अंगवस्त्र भेंट कर किया सम्मानित जीवन कुमार के पिता ने अंगवस्त्र भेंट कर शिक्षा मंत्री को सम्मानित किया. मंत्री ने परिवार के सदस्यों से बातचीत की और पर के बच्चों को स्नेह व आशीर्वाद दिया. जीवन कुमार ने भी मंत्री के आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की. मुलाकात के दौरान



परिवार के सदस्यों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल रहा. परिवार के साथ किया भोजन पेरव स्थित आवास पर शिक्षा मंत्री मिथिलेश कुमार तिवारी ने जीवन कुमार और उनके परिवार के सदस्यों के साथ भोजन किया. मंत्री ने इस मुलाकात को अपनी पार्टी के नेता से मिलने का अवसर बताया. इस दौरान आपसी बातचीत और संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई. संगठन को मजबूत बनाने और जनहित के कार्यों पर चर्चा मुलाकात के दौरान संगठन को मजबूत बनाने और आम जनता के हित में जनकल्याणकारी कार्यों को लेकर चर्चा

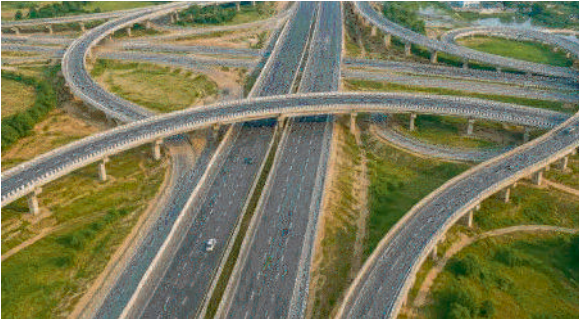


अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि सौरभ सिंह अपने साथियों के साथ बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के कल्याण बोधा इलाके में पहुंचने वाला है. इसके बाद पुलिस ने इलाके में घेराबंदी की और सड़ियों का इंतजार करने लगी. बताया जा रहा है कि सौरभ अपने साथियों के साथ कल्याण बोधा रोड पहुंचा, जहां पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया. भागने की कोशिश के दौरान मुठभेड़ की सूचना प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पुलिस को देखकर आरोपी कथित तौर पर भागने

बिहार के लिए 5 रोड प्रोजेक्ट्स को मंजूरी, 16000 करोड़ से भी ज्यादा का निवेश, मजबूत होगी कनेक्टिविटी

एजेंसी

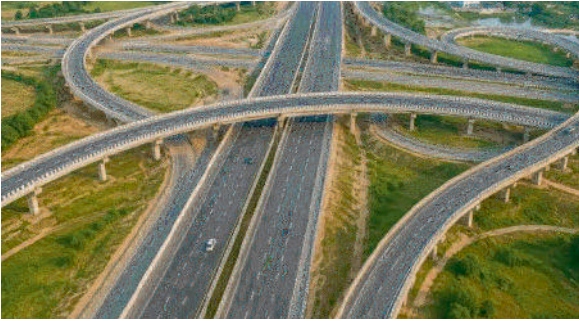
पटना। बिहार को केंद्र सरकार की तरफ से खास तोहफा मिला है. पूरे 5 सड़क परियोजनाओं की मंजूरी केंद्र से मिल गई है. इस परियोजना के तहत कहीं सड़क को चौड़ा किया जाएगा तो कहीं सड़क को फोरलेन किया जाना है. इससे जिलों के बीच रोड कनेक्टिविटी मजबूत हो सकेगी. बिहार में रोड कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए सरकार कई पहल कर रही है. ऐसे में अब केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लिया और 5 खास सड़क परियोजनाओं की मंजूरी दे दी. राज्य के अलग-अलग जिलों में सड़क को फोरलेन और चौड़ा किया जाना है. इन रोड प्रोजेक्ट्स के पूरा होने से ना सिर्फ बिहार के जिलों बल्कि राज्य के आसपास के राज्यों तक भी पहुंचान आसान हो जाएगा. इन 5 सड़क परियोजनाओं को मिली मंजूरी



अरवल-बिहारशरीफ रोड- इस सड़क की लंबाई लगभग 89 किलोमीटर है. इसे फोरलेन किया जाना है. इस काम में लगभग 3300 करोड़ खर्च किए जाने का अनुमान है. इसके पूरा होने से नालंदा और मध्य बिहार के बीच कनेक्टिविटी आसान हो सकेगी. मशरख-चकिया-भिड़ा मोड़ सड़क- यह प्रोजेक्ट सबसे बड़ा और खास माना जा रहा है. ऐसा इसलिए क्योंकि सड़क का निर्माण होने से जनकपुर और अयोध्या के बीच जुड़ाव मजबूत

होगा. माना जा रहा है कि इससे धार्मिक पर्यटन मजबूत हो सकेगा. इसकी लंबाई करीब 146 किलोमीटर की है. बिशुनपुर-जमुई सड़क परियोजना- इस प्रोजेक्ट के तहत मुंगेर और जमुई के बीच सड़क बनाई जाएगी. इससे दोनों जिलों के बीच सफर करने वालों को जाम की झंझट से राहत मिल सकेगी. नौबतपुर से हरिहरगंज सड़क- इस रोड प्रोजेक्ट के पूरा होने से पटना से औरंगाबाद और झारखंड तक कनेक्टिविटी

लेकर इलाज के लिए बख्तियारपुर पीएचसी भेजा, जहां से उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया गया. घटनास्थल से दो हथियार और 14 गोलियां बरामद डीएसपी-1 आयुष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि घटनास्थल से कुल दो हथियार, दो मैगजीन और 14 गोलियां बरामद की गई हैं. साक्ष्य संकलन के लिए एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है. टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है. उन्होंने बताया कि फायरिंग के दौरान महिला पुलिस पदाधिकारी की भी चीट आई है. उन्हें भी इलाज के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है. मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है. सौरभ सिंह पर हत्या और आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार मुख्य आरोपी सौरभ सिंह के खिलाफ पुलिस की जानकारी में हत्या के दो और आर्म्स एक्ट के दो मामले दर्ज हैं. उसके अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है.



आसान हो सकेगी. सड़क की लंबाई लगभग 88 किलोमीटर की है और इस पर 2500 करोड़ रुपये तक खर्च करने का अनुमान है. छपवा-बेतिया रोड प्रोजेक्ट- इससे उत्तर बिहार और खासकर चंपारण में रोड कनेक्टिविटी मजबूत होगी. इस 47 किलोमीटर लंबे प्रोजेक्ट पर 1700 करोड़ रुपये तक खर्च करने का अनुमान है. कितने रुपये का किया जाएगा निवेश? मिली जानकारी के अनुसार, इन सभी 5 रोड प्रोजेक्ट्स पर 16000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा निवेश का अनुमान है. बिहार के लिए इन 5 प्रोजेक्ट पर काम पूरा होने से बिहार के लोगों को बड़ा फायदा हो सकेगा. उद्योग को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ रोजगार को भी बढ़ावा मिल सकेगा. सफर के समय में कमी हो सकेगी. माल हुलाई में भी आसानी हो सकेगी. साथ ही जिलों में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सकेगा.

27, 28, 29 और 30 अक्टूबर को बिहार में भारी बारिश का अलर्ट, आज साफ रहेगा मौसम

एजेंसी

पटना। बिहार में मौसम इन दिनों साफ और शुष्क बना हुआ है. आज भी लगभग सभी जिलों में कुछ ऐसी ही स्थिति बनी रहेगी. मौसम विभाग की माने तो, 27 अक्टूबर के बाद राज्य में मौसम का मिजाज बदल सकता है. इससे पहले लोगों को अलर्ट कर दिया गया है. बिहार में फिलहाल मौसम सामान्य बना हुआ है लेकिन अगले दो से तीन दिनों में बड़ा बदलाव देखने के लिए मिल सकता है. मौसम विभाग की ओर से आज किसी भी जिले में चेतावनी जारी नहीं की गई है. सभी जिले ग्रीन जौन में हैं. लगभग सभी जिलों में आज आसमान साफ रह सकता है. पूरे दिन मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है. सुबह और शाम के वक्त लगेगी हल्की ठंड मौसम विभाग के मुताबिक, 25 और 26 अक्टूबर तक बिहार के मौसम में कोई बदलाव देखने के लिए नहीं मिलेगा. उत्तर बिहार, दक्षिण बिहार और सीमांचल के जिलों में मौसम साफ ही रहने की संभावना है. इसके साथ ही दोपहर तक कड़ी धूप निकलने के बाद पैसे के दवाों पर केस वहीं, दूसरे आवेदन में उल्लेख किया गया है कि 22 अक्टूबर की शाम करीब 4:10 बजे संज्ञा में आया कि पटना शिक्षक-सनातन निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी डॉ. संजीव कुमार के एक साक्षात्कार को फेसबुक पर प्रसारित करने से संबंधित है. एक्स पर वोट की अपील करने पर कार्रवाई अंचलाधिकारी द्वारा किए गए पहले आवेदन के अनुसार, 22 अक्टूबर को गिरानाी के दौरान यह सूचना मिली कि 'एक्स' पर जन सुराज के नाम से संचालित अधिकृत हैंडल से एक प्रचार कार्य से जुड़ा है, जबकि दूसरा मामला प्रत्याशी डॉ. संजीव कुमार के एक साक्षात्कार को फेसबुक पर प्रसारित करने से संबंधित है. एक्स पर वोट की अपील करने पर कार्रवाई अंचलाधिकारी द्वारा किए गए पहले आवेदन के अनुसार, 22 अक्टूबर को गिरानाी के दौरान यह सूचना मिली कि 'एक्स' पर जन सुराज के नाम से संचालित अधिकृत हैंडल से एक प्रचार कार्य से जुड़ा है, जबकि दूसरा मामला प्रत्याशी डॉ. संजीव कुमार के एक साक्षात्कार को फेसबुक पर प्रसारित किया जा रहा है. आरोप है कि इस वीडियो साक्षात्कार में कथित तौर पर फजी मवादताओं की पहचान करने और पैसे के लेनदेन से जुड़े आपत्तिजनक बयान दिए गए हैं, जो चुनावी मयादां व नियमों के विरुद्ध है. सामाजिक सौहार्द विगड़ने की आशंका, जांच में जुटी पुलिस प्रशासनिक शिकायत में यह गंभीर आशंका व्यक्त की गई है

शिक्षक निर्वाचन चुनाव: आचार संहिता उल्लंघन में दिव्या ज्योति व डॉ संजीव पर प्राथमिकी

एजेंसी

पटना। पटना शिक्षक निर्वाचन चुनाव में आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं. दिव्या ज्योति और डॉ. संजीव कुमार के खिलाफ कार्रवाई हुई है. पटना: पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में साइबर थाने में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई गई हैं. पटना सदर के अंचलाधिकारी (सीओ) अनुज कुमार ने दोनों मामलों में विधिवत लिखित आवेदन देकर यह कानूनी कार्रवाई कराई है. पहला मामला जन सुराज समर्थित प्रत्याशी दिव्या ज्योति के पक्ष में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर प्रचार कार्य से जुड़ा है, जबकि दूसरा मामला प्रत्याशी डॉ. संजीव कुमार के एक साक्षात्कार को फेसबुक पर प्रसारित करने से संबंधित है. एक्स पर वोट की अपील करने पर कार्रवाई अंचलाधिकारी द्वारा किए गए पहले आवेदन के अनुसार, 22 अक्टूबर को गिरानाी के दौरान यह सूचना मिली कि 'एक्स' पर जन सुराज के नाम से संचालित अधिकृत हैंडल से एक प्रचार कार्य से जुड़ा है, जबकि दूसरा मामला प्रत्याशी डॉ. संजीव कुमार के एक साक्षात्कार को फेसबुक पर प्रसारित किया जा रहा है. आरोप है कि इस वीडियो साक्षात्कार में कथित तौर पर फजी मवादताओं की पहचान करने और पैसे के लेनदेन से जुड़े आपत्तिजनक बयान दिए गए हैं, जो चुनावी मयादां व नियमों के विरुद्ध है. सामाजिक सौहार्द विगड़ने की आशंका, जांच में जुटी पुलिस प्रशासनिक शिकायत में यह गंभीर आशंका व्यक्त की गई है



को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। मौजूदा समय में एक सिलेंडर पर एचपीसीएल को 245 रुपये का नुकसान हो रहा है। एचपीसीएल के मैनेजिंग डायरेक्टर विकास कौशल के अनुसार नवंबर में यह नुकसान 327 रुपये के स्तर पर पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि कंपनियों को पश्चिम एशिया में जारी गतिरोध की वजह से यह नुकसान हो रहा है। बता दें, विश्व भर में कई मोर्चों पर जारी युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतें इस समय सातवें आसमान पर हैं। यही वजह है कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को भारी नुकसान हो रहा है। एचपीसीएल के एमडी ने कहा कि उन्होंने कहा कि जुलाई से सितंबर के दौरान उन्होंने 500 करोड़ रुपये का नुकसान के साथ एलपीजी सिलेंडर की बिक्री की है। बता दें, मौजूदा समय में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन ने मार्केट प्राइस से कम की कीमत पर घरेलू सिलेंडर की बिक्री की है। जिसकी वजह से इन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। मौजूदा समय में कंपनियां सिर्फ कच्चे तेल की अधिक कीमतों की वजह से ही नहीं परेशान हैं। माल दुलाई की बढ़ती लागत का भी असर कंपनियों के बहिखाते पर पड़ रहा है। कंपनी के अनुसार स्वेजमेक्स टैंकर का भाड़ा 9 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। जोकि तिमाही में 4 डॉलर प्रति बैरल था। इन सबके अलावा मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए आपतकालीन खरीद पर विचार कर रहा है। एचपीसीएल ने पिछले हफ्ते तिमाही नतीजों का ऐलान किया है। कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि दूसरी तिमाही में कुल नेट प्रॉफिट 3625.22 करोड़ रुपये रहा है। पहली तिमाही में कंपनी को 12264.67 करोड़ रुपये का नेट लॉस हुआ है। बता दें, सालाना आधार पर कंपनी का प्रॉफिट 6.1 प्रतिशत घट गया है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट (टेक्स भुगतान के बाद) के 3859 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का रेवन्यू (ऑपरेशंस) से सालाना आधार पर 26.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 139140 करोड़ रुपये रहा है। इससे पहले पिछले साल कंपनी को 110323 करोड़ रुपये की आय हुई थी।

सोमवारको बंदरहेगेबैंक, आरबीआईने दी 26 अक्टूबरकी छुट्टी

नईदिल्ली, एंजेंसी। सोमवार को बैंक बंद रहने वाले हैं। अगर आप 26 अक्टूबर को बैंक ब्रांच जाकर अपना काम निपटाने का प्लान कर रहे हैं तो पहले जान लीजिए कि आपके राज्य में बैंक खुले हैं या नहीं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के कैंलेंडर के मुताबिक सोमवार को बैंक ज्यादातर राज्यों में बंद रहने वाले हैं। यहां जानिये कल किन-किन राज्यों में और बैंक क्यों बंद रहने वाले हैं। आरबीआई के कैंलेंडर के मुताबिक सोमवार 26 अक्टूबर को बैंक लक्ष्मी पूजा, एक्सेशन डे और महर्षि वाल्मीकि जयंती के कारण बंद है। बैंक त्रिपुरा, चंडीगढ़, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, जम्मू और कश्मीर में बंद रहने वाले हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की छुट्टियों की लिस्ट के हिसाब से बैंक लक्ष्मी पूजा, एक्सेशन डे और महर्षि वाल्मीकि जयंती के कारण बंद रहेंगे। कल इन राज्यों में सभी सरकारी और प्राइवेट सेक्टर बैंक जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ोदा, केनरा, एक्सिस, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक जैसे तमाम बैंक बंद रहेंगे। लक्ष्मी पूजा हिंदू धर्म का प्रमुख त्योहार है। इस दिन धन और समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है।

ओप्पो इंडिया ने नई ओप्पो फाईंड एक्स10 सीरीज के साथ

प्रीमियम फ्लैगशिप स्मार्टफोन्स का स्तर और ऊंचा किया

नई दिल्ली, एंजेंसी। ओप्पो इंडिया ने अपनी नई ओप्पो फाईंड एक्स10 सीरीज लॉन्च की है, जिसमें ओप्पो फाईंड एक्स10 और ओप्पो फाईंड एक्स10 प्रो मैक्स शामिल हैं। इसके साथ ही ओप्पो की इनोवेटिव और प्रीमियम फ्लैगशिप फाईंड एक्स सीरीज की 10वीं पीढ़ी की शुरुआत हो गई है। प्रीमियम स्मार्टफोन अनुभव का एक नया पैमाना तय करने के लिए तैयार की गई फाईंड एक्स10 सीरीज में शानदार टर्न्-टू-लाइफ़ इमेजिंग, बेमिसाल परफॉर्मेंस, जबरदस्त बैटरी बैकअप और आकर्षक रिफाईंड डिजाइन का मेल है। इसके साथ ही, नया कलरओएस 17 यूजर्स को एक बेहतरीन और स्मृथ सॉफ्टवेयर अनुभव प्रदान करता है। ओप्पो ने अपने फ्लैगशिप कनेक्टेड इकोसिस्टम का विस्तार करी है हुए ओप्पो एनको एक्स4 और ओप्पो पैड मिनी भी पेश किए हैं, ताकि यूजर्स बिना किसी रुकावट के एक ही प्लो में तस्वीरें ले सकें, कंटेंट बना सकें और शेयर कर सकें। कुल मिलाकर, यह पूरा फ्लैगशिप पोर्टफोलियो रोजमर्रा के अनुभव को और बेहतर बनाता है, जिससे हर एक शॉट, एडिट और शेयर बिल्कुल वास्तविक और उस पल के करीब महसूस होता है।

ओप्पो फाईंड एक्स 10 सीरीज में ऐसा कैमरा सिस्टम दिया गया है, जिसे वास्तविक जीवन में दिखाई देने वाले दृश्यों के और करीब तस्वीरें लेने के लिए तैयार किया गया है। फाईंड एक्स 10 में डुअल

दिवाली से ठीक पहले सोना में तेज गिरावट

नई दिल्ली, एंजेंसी। दिवाली से ठीक पहले सोने की कीमतों में तेज गिरावट देखी गई है। इससे खरीदारों और निवेशकों के लिए एक अहम सवाल खड़ा हो गया है। क्या यह गिरावट कीमती धातु को जमा करने या खरीदने का मौका है या कीमतें स्थिर होने से पहले और गिर सकती हैं इस हफ्ते सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में लगभग 4 प्रतिशत की गिरावट आई। यह चार महीनों से अधिक समय में उसका सबसे कमजोर साप्ताहिक प्रदर्शन है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, नए सिरे से महंगाई की चिंताओं और सख्त अमेरिकी मौद्रिक नीति की आशंकाओं के कारण सोना 4,000 डॉलर प्रति औंस तक फिसल गया।

इस गिरावट का असर घरेलू बाजारों पर भी पड़ा है। हफ्ते के दौरान एमसीएक्स सोने के वायदा भाव लगभग 4 प्रतिशत लुढ़क गए। यह 1,41,334 रुपये के इंट्रा-वीक लो को छूने के बाद 1,42,024 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब बंद हुआ। शुक्रवार को वायदा सोना 0.92 प्रतिशत या 1,315 रुपये गिरकर लगभग

1,41,994 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

क्यों गिर रही हैं सोने की कीमतें तेल की बढ़ती कीमतें सोने के लिए बड़ी बाधा बनकर उभरी हैं। सऊदी अरब के ऑयल इंफ्रास्ट्रक्चर पर हूती



विद्रोहियों के हमलों के बाद एनर्जी सप्लाई में व्यवधान की चिंताओं के बीच ब्रेंट क्रूड 112 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चढ़ गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें महंगाई को बढ़ावा दे सकती हैं। इससे संभावित रूप से केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रखने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।

आग की घटना पर थिंक गैस का स्पटीकरण

भोपाल। भोपाल के भानपुर ब्रिज के पास 24 अक्टूबर को थिंक गैस की गैस पाइपलाइन के निकट आग लगने की घटना से संबंधित मीडिया रिपोर्टों के संदर्भ में कंपनी की ओर से निम्नलिखित स्पष्टीकरण दिया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही थिंक गैस की इमरजेंसी रिसॉन्स टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने तथा स्थिति को और गंभीर होने से रोकने के लिए गैस आपूर्ति को तत्काल बंद करने सहित आवश्यक एहतियाती कदम उठाए। इसके बाद टीम ने आवश्यक सुधार एवं मरम्मत कार्य शुरू किया और चरणबद्ध तरीके से गैस आपूर्ति बहाल की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गैस पाइपलाइन के आसपास अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कचरा या मलबा जलाए जाने के कारण आग लगने की आशंका है। घटनास्थल पर बैरिकेडिंग भी की गई थी। हालांकि, घटना के सटीक कारणों और परिस्थितियों का पता लगाया जा रहा है। इस मामले की जांच सुनिश्चित करने और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के उद्देश्य से थिंक गैस अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करा रही है। थिंक गैस का भोपाल जिले में व्यापक सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क है। भूमिगत गैस पाइपलाइनों की सुरक्षा के लिए नेटवर्क पर रूट मार्कर, सावधानी संबंधी चेतावनी बोर्ड और आपातकालीन संपर्क नंबर प्रदर्शित करने वाले बोर्ड लगाए गए हैं। कंपनी निर्धारित सुरक्षा मानकों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं का पालन करती है। आमजन की सुरक्षा और गैस वितरण नेटवर्क की संरक्षा को कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। हाल ही में भोपाल के जिला कलेक्टर ने विभिन्न यूटिलिटी एजेंसियों, जिनमें सड़क चौड़ीकरण का कार्य करने वाले ठेकेदार भी शामिल हैं, के साथ बैठक कर गैस पाइपलाइनों के आसपास काम करते समय निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की सलाह दी थी।

नेटवेब टेक्नोलॉजी ने जारी कर दिया क्यूडब्ल्यू रिजल्ट, 60 प्रतिशत बढ़ा नेट प्रॉफिट

नईदिल्ली, एंजेंसी। एआई कंपनी नेटवेब टेक्नोलॉजी ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी की तरफ से कल शनिवार को तिमाही नतीजों की जानकारी दी गई है। तिमाही दर तिमाही के आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 60 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, रेवन्यू में 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

एआई कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि दूसरी तिमाही के दौरान कुल रेवन्यू 1323 करोड़ रुपये रहा है। पहली तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 819 करोड़ रुपये रहा था। नेट प्रॉफिट कंपनी का 60.60 प्रतिशत बढ़ा है। यह पहली तिमाही के दौरान 127 करोड़ रुपये रहा है। पहले क्वार्टर में यह 85.30 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, कंपनी का पहली तिमाही के दौरान 119.80 करोड़ रुपये रहा था। जोकि इस बार 197 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है।

इस कंपनी के पास 30 सितंबर 2026 तक कुल 2629 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक था। कंपनी ने बताया है कि 11151.80 करोड़ रुपये का काम पाइपलाइन में है। इसपर बातचीत चल रही है।

कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि दूसरी तिमाही में एआई सिस्टम का योगदान 1283.60 करोड़ रुपये रहा है। जोकि ऑपरेटिंग रेवन्यू का 59.90 प्रतिशत है। बता दें, पहली छमाही के



तिमाही में यह आंकड़ा 205.80 करोड़ रुपये रहा था। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर बीएसई में यह स्टॉक 5.57 प्रतिशत की गिरावट के बाद 4335.85 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, इसके बाद भी 2026 में एआई कंपनी के शेयरों का दाम 41 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल में इस स्टॉक की कीमतों में 15 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। बता दें, दो साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 64 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। तीन साल से शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को 416 प्रतिशत का रिटर्न इस कंपनी ने दिया है।

ऊंची ब्याज दरें और ट्रेजरी यील्ड आम तौर पर सोने की अपील को कम कर देती हैं। कारण है कि धातु इंटरस्ट इनकम जेनरेट नहीं करती है। अपेक्षार्कृत मजबूत अमेरिकी डॉलर ने दबाव बढ़ा दिया है।



अलग-अलग एसेट क्लास में बिकवाली ने भी गिरावट में योगदान दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संबंधित शेयरों से जुड़े इक्विटी बाजार में करेक्शन ने निवेशकों को मार्जिन कॉल को पूरा करने के लिए लिक्विड होल्डिंग्स बेचने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ गया।

पी एंड जी इंडिया के ब्रांड्स पहली बार एक बिल्कुल नए और अनूठे अंदाज में

भोपाल। पी एंड जी इंडिया ने पी एंड जी लूप

- द क्रिएटर कलेक्टिव का अनावरण किया। इस पहल के तहत भारत में पहली बार अलग-अलग श्रेणी के सभी आईकोनिक ब्रांड्स को एक साझा मंच पर लाया गया है। मुंबई के डोम ड़ एनएससीआई एसवीपी में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में हजारों क्रिएटर्स और सांस्कृतिक हस्तियों के साथ पी एंड जी के वैश्विक और भारतीय नेतृत्वकर्ता, वैज्ञानिक, ब्रांड एंबेसडर और साझेदार भी शामिल हुए। इस विशेष अनुभव के जरिए प्रतिभागियों को कंपनी के उत्पादों के पीछे के विज्ञान, उपभोक्ताओं की जरूरतों की समझ और नवाचार को करीब से समझने का अवसर मिला। पी एंड जी में नवाचार की शुरुआत उपभोक्ताओं की गहरी समझ और उनकी बदलती जरूरतों को पहचानने से होती है। उपभोक्ता को प्राथमिकता देने की सोच के साथ पी एंड जी लूप क्रिएटर्स को ऐसे नए अवसर प्रदान करता है, जिससे वे पी एंड जी के उत्पादों के पीछे के विज्ञान और सोच को करीब



से जान सकें। इससे उत्पाद नवाचार और उसके फायदों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना और अधिक प्रासंगिक व सहज रूप से समझाना आसान हो जाता है। इमर्सिव ब्रांड वर्ल्ड, विशेषज्ञों के साथ बातचीत, इंटरैक्टिव मास्टरक्लास और लाइव डेमोंस्ट्रेशन के जरिए, यह अनुभव रोजमर्रा के उत्पादों के पीछे की कहानियों को जीवंत कर देता है। यह कार्यक्रम पी एंड जी के आईकोनिक ब्रांडों और उनके नवीनतम उत्पादों को भी सामने लाता है। यह दर्शाता है कि कैसे उपभोक्ताओं की समझ, वैज्ञानिक विशेषज्ञता और निरंतर नवाचार मिलकर ऐसे उत्पाद तैयार

84,084 करोड़ का मेगा प्लान, गहरे समंदर में छिपा खजाना तलाशेगी सरकार

नई दिल्ली, एंजेंसी। सरकार 84,084 करोड़ रुपये की 'समुद्र मंथन' योजना के तहत ऊर्जा कंपनियों के साथ गहरे पानी (डीपवाटर) में तेल और गैस की खोज (एक्सप्लोरेशन) का खर्च साझा करेगी। इसके तहत जोखिम भरे कुओं की खुदाई के खर्च का एक हिस्सा सरकार उठाएगी। ऑफशोर बेसिन की सिस्मिक मैपिंग के लिए फंड देगी। साथ ही साझा उत्पादन सुविधाएं बनाने में मदद करेगी।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 'समुद्र मंथन' कार्यक्रम के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसका मकसद भारत के गहरे पानी और बहुत गहरे पानी (अल्ट्रा-डीपवाटर) वाले क्षेत्रों में तेल-गैस खोजने के काम को आर्थिक रूप से बेहतर बनाना है। अभी तक यहां खुदाई का बहुत अधिक खर्च और भूगर्भीय अनिश्चितताओं के कारण निवेश कम रहा है। आयात पर भारत की भारी निर्भरता को कम करना है। दिशा-निर्देशों के अनुसार, यह योजना वित्त वर्ष 2030-31 तक चलेगी। इसमें वित्त वर्ष 2026-27 को तैयारी के वर्ष के रूप में रखा गया है, जबकि वित्त वर्ष 2027-28

से 2030-31 तक के समय को 'चरण-1' (फेज-1) माना जाएगा। पेट्रोलियम



सचिव नीरज मित्तल ने दिशा-निर्देशों की प्रस्तावना में इस योजना को हाल के समय में तेल और गैस क्षेत्र (अपस्ट्रीम) में शुरू की गई सबसे महत्वाकांक्षी पहल बताया है। उन्होंने कहा कि इससे भारत के रिजर्व में 60 करोड़ टन से अधिक तेल के बराबर संसाधन जुड़ सकते हैं। प्लान के मुख्य हिस्से के तहत सरकार गहरे पानी और बहुत गहरे पानी वाले क्षेत्रों में 56 खोज कुओं (एक्सप्लोरेटरी वेल्स) और चार

स्ट्रैटिग्राफिक कुओं के लिए वित्तीय सहायता देगी। दिशा-निर्देशों के अनुसार, 400 मीटर



से अधिक गहरे पानी को 'डीपवाटर' और 1,500 मीटर से अधिक गहरे पानी को 'अल्ट्रा-डीपवाटर' माना जाएगा। इन 56 खोज कुओं के लिए सरकार वास्तविक खर्च का 50 फीसदी तक हिस्सा देगी। लेकिन, प्रति कुओं अधिकतम 675 करोड़ रुपये की सीमा तय की गई है। चार स्ट्रैटिग्राफिक कुओं के लिए सरकार खर्च का 100 फीसदी तक हिस्सा दे सकती है।

मन्नत हर खुशी पाने की का एक नया चैप्टर शुरू होने जा रहा है

मुंबई। सफलता का स्वाद चखने और दर्शकों का दिल जीतने के बाद, केलर्स का 'मन्नत हर खुशी पाने की' एक रोमांचक नए अध्याय के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। तन्वी डोगरा और नमिक पॉल इस शो में नए मुख्य किरदारों के रूप में नजर आएंगे। यह कहानी दो बेहद स्वतंत्र सोच रखने वाले लोगों की है, जिनकी बिल्कुल अलगअलग दुनियाएं खाने के जरिए एकदूसरे से टकराती हैं। मन्नत जुनेजा (तन्वी डोगरा), जो अपने परिवार का विराट दा दाबा चलाती है, मानती है कि खाने की असली पहचान उसकी सच्चाई, प्यार और उससे जुड़ी यादों में होती है। वहीं कबीर ओबेरॉय (नमिक पॉल), जो शानदार फाइनडाइनिंग रेस्तरां मेजबानी का मालिक है, सटीकता, नवाचार और परफेक्शन को सबसे अधिक महत्व देता है। एक मध्यमवर्गीय पंजाबी परिवार में पलीबढ़ी मन्नत के लिए यह दाबा सिर्फ एक कारोबार नहीं, बल्कि उसके पिता सुंदरिंदर से मिली एक अनमोल विरासत है, जिसमें उसके परिवार की यादें और सपने बसे हुए हैं। वहीं, वह अपराधबोध से जुझते हुए अपनी मां के भरोसे पर खरा उतरने की कोशिश भी करती है। दूसरी ओर, एक संपन्न परिवार द्वारा गोद लिए गए कबीर ने अपनी पहचान महत्वाकांक्षा, अनुशासन और उन लोगों के प्रति वफादारी के आधार पर बनाई है, जिन्होंने उसे एक घर दिया। लेकिन उसके सपने हुए व्यक्तित्व के पीछे एक जटिल अतीत छिपा है और उस त्रासदी की अपराधबोध भी, जिसने मन्नत के परिवार को बिखेर दिया था। जैसेजैसे विराट दा दाबा की मिट्टी से जुड़ी गर्मजोशी और मेजबानी की नफासत आननेसामने आती है, उनके बीच व्यंजनों, महत्वाकांक्षाओं और अहंकार की टक्कर शुरू हो जाती है। उन्हें करीब लागेंगे, या फिर उनके दिलों में छिपे सच उन्हें एकदूसरे से दूर कर देंगे? तन्वी डोगरा मन्नत जुनेजा और नमिक पॉल कबीर ओबेरॉय की भूमिका में नजर आएंगे। इनके साथ किशोरी शहाणे सारिका ओबेरॉय और सुपिया शुक्ला जॉली जुनेजा के किरदार में दिखाई देंगी।

काशी के नमो घाट से प्रधानमंत्री ने देखा विंग्स ओवर गंगा एयर शो,100 विमानों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

एजेंसी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के नमो घाट से भारतीय वायुसेना के शौर्य, कौशल और अदम्य पराक्रम का शानदार नज़ारा देखा। भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित हॉविंस ओवर गंगाहू के तीसरे दिन ह्वायर फ़ोर्स डे एरियल डिस्प्ले-2026हू में 100 विमानों और हेलीकॉप्टरों ने गंगा के ऊपर हैरतअंगेज हवाई करतब दिखाए। लड़ाकू विमानों की गर्जना, तेज रफ़्तार और रोमांचक फॉर्मेशन ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश की



राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हजारों दर्शकों को रोमांचित कर दिया। गंगा के आसमान में भारतीय वायुसेना की ताकत का प्रदर्शन हुआ तो घाटों और तटों पर मौजूद लोगों का उत्साह भी चरम पर पहुंच गया।

पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। दर्शक हज़ारत माता की जयहू, ह़ाहर-हर महादेवहू, ह़ावदे मातरमहू और ह़ामोदी-मोदीहू के जयकारे लगाते रहे। प्रधानमंत्री मोदी और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने तालियां बजाकर वायुसेना के जांबाजों का उत्साह बढ़ाया। इस

दौरान प्रधानमंत्री ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया और इशारे से ह्यजय हिंदहू का संदेश भी दिया। पुष्पवर्षा और ह्नानमो-नमोहू के नारों के बीच प्रधानमंत्री मुस्कराते नजर आए। वह बीच-बीच में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बातचीत भी करते दिखे। हवाई प्रदर्शन में सुखोई-30 एमकेआई, राफेल, मिराज-2000, मिग-29, एलसीए और जगुआर जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों ने अपनी ताकत और युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया।हार्वर्ड विमान के साथ सूर्यकिरण और सारंग एरोबेटिक टीमों ने भी अपने शानदार करतबों से दर्शकों का ध्यान खींचा।

अलग-अलग दिशाओं से विमानों की आवाजाही, तेज रफ़्तार, सटीक तालमेल और आकर्षक फॉर्मेशन ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।विमानों की तकनीकी विशेषताओं और सामरिक क्षमताओं पर आधारित कमेंट्री ने प्रदर्शन को और रोचक बनाया। इससे दर्शकों को भारतीय वायुसेना की कार्यप्रणाली, आधुनिक तकनीक और परिचालन क्षमता के बारे में जानने का अवसर मिला। एयर शो में लड़ाकू विमानों के अलावा हेलीकॉप्टर, परिवहन और सहायक विमानों ने भी अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। हेलीकॉप्टर बेड़े में एलसीएच,

चिन्नूक, एएलएच मार्क-क्वक्र एएलएच मार्क-क्व, अपाचे, चेतक, कामोव-31 और एमआई-17 वी5 शामिल रहे। वहीं, परिवहन एवं सहायक विमानों में सी-295, सी-17, सी-130, एईडब्ल्यूएंडसी, आईएल-78, एएन-32 और पी-8आई ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन में भारतीय थल सेना के दो एएलएच हेलीकॉप्टरों के साथ भारतीय नौसेना के एक पी-8आई विमान और एक कामोव-31 हेलीकॉप्टर ने भी भागीदारी की। भारतीय वायुसेना के गुरुड विशेष बल की मौजूदगी ने कार्यक्रम के सामरिक महत्व को और बढ़ाया।

शाह ने कहा, प्रधानमंत्री के पिताजी पर खरगे की अभद्र टिप्पणी, हताशा में कांग्रेस गाली-गलौज पर उतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की पटना में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबंध में की गई टिप्पणी की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज पटना में प्रधानमंत्री के पिताजी के बारे में अभद्र टिप्पणी कर सारी मयादांपैर तार-तार कर दी हैं।बीते 12 वर्षों में लगातार मिल रही चुनावी हार से कांग्रेस पार्टी में हताशा व निराशा इतनी बढ़ चुकी है कि अब उसके पास न कोई नीति बची है, न कोई मुद्दा, बस गाली-गलौज की राजनीति बची है।

एक्स पर एक पोस्ट में शाह ने कहा कि उसी पार्टी ने प्रधानमंत्री मोदी या उनके परिवार को पहली बार अपशब्द नहीं कहे हैं। पार्टी नेता



कभी उनकी पूजनीय माताजी के बारे में अपशब्द कहते हैं, कभी उन्हें 'मौत का सौदागर', कभी 'चायवाला' कहकर उनकी गरीबी का उपहास उड़ाते हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी हर रोज अभद्रता की सीमाएँ पार करती जा रही है। उन्होंने कहा कि जनाधार खो चुकी कांग्रेस अब अपने कार्यकर्ताओं में भी आधार खोती जा रही है। जब-जब इन्होंने प्रधानमंत्री मोदी या उनके परिवार पर घृणित टिप्पणियाँ की हैं, तब-तब जनता ने कांग्रेस को करारा जवाब दिया है।

पूर्वोत्तर में 'नार्को-कार्टेल' पर बड़ी कार्रवाई के बाद गृहमंत्री शाह का तस्करों को कड़ा संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने केंद्रीय जांच एजेंसियों तथा असम, मिजोरम और मणिपुर पुलिस बल के संयुक्त सफ़ल ऑपरेशन की सराहना की और कड़ा संदेश दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं का फायदा उठाकर भारत की युवा पीढ़ी को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी गिरोह को बख़्शा नहीं जाएगा। अमित शाह ने आज एक्स पर लिखा, केंद्र की मोदी सरकार ने नशीले पदार्थों और अवैध नेटवर्क के खिलाफ अपनी 'जिरो टॉलरेंस' नीति के तहत 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाकर अंतरराष्ट्रीय नार्को-कार्टेल (तस्कर गिरोह) को करारा झटका दिया है।23 अक्टूबर कोकेंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और राज्य पुलिस बलों के संयुक्त अभियान में असम, मिजोरम और मणिपुर के 38 बिभिन्न ठिकानों पर एक साथ ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में तस्कर गिरोह के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया गया है। 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के दौरान जांच एजेंसियों के हाथ कई कैंकाने वाले

सबूत लगे हैं। लगभग 100 करोड़ रुपये के हवाला लेनेदन की जानकारी सामने आई है। नेटवर्क से जुड़े 1,424 बैंक खातों को तत्काल प्रभाव से फ्रीज कर दिया गया है, जबकि 17.82 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की गई है। छापेमारी के दौरान 500 डेटेनेटर और 12 लाख रुपये की नकदी बरामद की गई है। इस मामले में सिलप 18 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच अधिकारियों के अनुसार यह अंतरराष्ट्रीय नार्को-सिंडिकेट 'डेथ ट्रायंगल कॉरिडोर' का इस्तेमाल कर भारत, म्यांमार और बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के जरिए नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी को अंजाम दे रहा था। वह समन्वित कार्रवाई 31 दिसंबर 2029 तक देश से नशीले पदार्थों के पूरे नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के भारत सरकार के दृढ़ संकल्प का हिस्सा है। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि जब तक नार्को-कार्टेल का पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता, तब तक इस तरह के कड़े प्रहार जारी रहेंगे।

डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान 5.0: पूर्व रेलवे 1 नवंबर से शुरू करेगा विशेष हेल्पलाइन केंद्र

कोलकाता: देशव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान 5.0 के तहत पूर्व रेलवे द्वारा 1 नवंबर से 30 नवंबर, 2026 तक रेल पेंशनभोगियों की सुविधा के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन केंद्र शुरू किया जाएगा। यह केंद्र फेयरली प्लेस बिल्डिंग स्थित पूर्व रेलवे मुख्यालय के पेंशन अनुभाग (ग्रांड फ्लोर) में संचालित होगा। इसका मुख्य उद्देश्य पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा करने में तकनीकी व व्यावहारिक सहायता प्रदान करना है। यह हेल्पलाइन केंद्र माह भर सभी कार्यदिवसों में सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक कार्यरत रहेगा। जिन रेल पेंशनभोगियों को प्रमाणपत्र जमा करने में किसी भी प्रकार की तकनीकी कठिनाई आ रही है, वे सीधे केंद्र पर जाकर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। रेलवे प्रशासन ने पेंशनभोगियों से अपील की है कि वे केंद्र पर आते समय अपना आधार कार्ड (लिंक मोबाइल नंबर सहित), पैन कार्ड और मूल पेंशन भुगतान आदेश अवश्य साथ लाएं, ताकि सत्यापन की प्रक्रिया बिना किसी बाधा के पूरी हो सके। मुख्यालय के अतिरिक्त, पेंशनभोगी अपने निकटतम पूर्व रेलवे मंडल कार्यालय या कार्यशाला (वर्कशॉप) कार्यालय से भी संपर्क कर सकते हैं। अभियान से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए आधिकारिक पोर्टल पर विजिट किया जा सकता है। रेलवे ने दोहराया कि वह अपने सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए सेवाओं को सुगम और बाधा रहित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 5.0: उत्तर मध्य रेलवे 1 नवंबर से लगाएगा विशेष शिविर

प्रयागराज: भारत सरकार के निर्देशानुसार पेंशनधारकों की सुविधा के लिए 1 नवंबर से 30 नवंबर, 2026 तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) अभियान 5.0 का आयोजन किया जा रहा है। रेलवे बोर्ड के दिशानिर्देशों के तहत उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) मुख्यालय प्रयागराज सहित इसके सभी मंडलों और यूनिटों में पेंशनधारकों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कराने के लिए विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इस अभियान के तहत उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में बड़े पैमाने पर मेगा कैंप का आयोजन किया जाएगा। शिविरों के सुचारु संचालन और पेंशनभोगियों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए मुख्यालय, मंडलों और यूनिटों में नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। इस पूरी प्रक्रिया में बैंकों और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीबीबी) की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई है। उत्तर मध्य रेलवे द्वारा 80 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ पेंशनधारकों के लिए माह अक्टूबर में भी विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही जो अति वरिष्ठ पेंशनधारक शारीरिक असमर्थता अथवा बीमारी के चलते शिविरों तक पहुंचने में असमर्थ हैं, उनके लिए विशेष रूप से घर जाकर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने (होम विजिट) की व्यवस्था की जाएगी। शिविरों में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने के साथ-साथ पेंशनधारकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य पेंशनभोगियों को एक ही स्थान पर प्रमाण पत्र सत्यापन और स्वास्थ्य जांच की समग्र सुविधाएं सुलभ व सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराना है।

सांतरागाछी-टाटानगर-जयपुर (खातीपुरा)- सांतरागाछी एक्सप्रेस का शुभारंभ आज

कोलकाता : दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा सांतरागाछी-टाटानगर-जयपुर (खातीपुरा)-सांतरागाछी एक्सप्रेस का शुभारंभ 26 अक्टूबर 26 को किया जाएगा। शुभारंभ के दिन यह ट्रेन सांतरागाछी से उद्घाटन विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी। इस ट्रेन का ठहराव खड़गपुर, टाटानगर, चाँडल, पुरुलिया, मुरी, रांची, लोहरदगा, टोरी, लातेहार, बरवाडीह, डाल्टनगंज, गढ़वा रोड, जपला, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, मिजापुर, प्रयागराज, फतेहपुर, कानपुर सेंट्रल, टूंडला, इंदगाह आगरा, खेड़ली, मंडावर महवा रोड, बांदीकुई एवं दौसा स्टेशनों पर होगा। इस ट्रेन की नियमित सेवा के संबंध में सूचना बाद में दी जाएगी।

रूस के बेलगोरोड क्षेत्र में दो ड्रोन हमले, चार लोगों की मौत

मॉस्को। रूस के सीमावर्ती बेलगोरोड क्षेत्र में रविवार को हुए दो अलग-अलग ड्रोन हमलों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने इन हमलों के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया है। अधिकारियों के मुताबिक, बेलगोरोड शहर पर रात में हुए ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हुए। घायलों में से एक व्यक्ति ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई। बेलगोरोड के महापौर वैलेन्टिन डेमिडोव ने सरकारी समर्थन वाले मैसैजिंग प्लेटफॉर्म मैक्स पर लिखा कि रात के हमले में घायल एक अन्य व्यक्ति की अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने इस घटना को शहर के सभी निवासियों के लिए बड़ी त्रासदी बताया। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर शुवायेव के अनुसार, हमले में बड़े पैमाने पर संपत्ति को नुकसान पहुंचा। करीब 30 अपार्टमेंट इमारतें, 35 कारें, चार मकान, तीन प्रशासनिक भवन, आठ व्यावसायिक प्रतिष्ठान और तीन सामाजिक सुविधाएं क्षतिग्रस्त हुईं।

मात्र 45 पैसे के प्रीमियम पर मिलेगा 10 लाख रुपये तक का कवर

डिजिटल भुगतान और मोबाइल नंबर देना होगा अनिवार्य

नई दिल्ली/मुंबई: भारतीय रेलवे ने अपनी वैकल्पिक यात्रा बीमा योजना (ओटीआईएस) का दायरा बढ़ाते हुए इसे यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों पर आरक्षित टिकट बुक कराने वाले यात्रियों के लिए भी लागू करने का निर्णय लिया है। आईआरसीटीसी के माध्यम से ई-टिकट पर मिलने वाली यह सुविधा 27 अक्टूबर, 2026 से पूरे नेटवर्क के रेलवे काउंटरों पर उपलब्ध होगी।

ड्रोन हमलों में स्टारलैंक के इस्तेमाल पर मस्क के दावे को यूक्रेन ने नकारा

एजेंसी

कीव। यूक्रेन ने स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क के उस दावे पर खवाल उठाए हैं, जिसमें उन्होंने यूक्रेनी सेना पर नागरिक उपग्रह इंटरनेट नेटवर्क स्टारलैंक की सेवा शुरू को उल्लंघन कर आक्रामक ड्रोन हमलों में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि देश में स्टारलैंक के संचालन पर लंबे समय से लागू प्रतिबंधों के कारण इस तरह इसका इस्तेमाल संभव नहीं है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के रक्षा प्रौद्योगिकी सलाहकार सेहरी बेक्वेरैस्तनोव ने ऑनलाइन पोस्ट में कहा कि मस्क को यूक्रेन में स्टारलैंक के संचालन पर लागू पाबंदियों की जानकारी होनी चाहिए थी। उन्होंने मस्क के दावे पर हैरानी जताई। रूस के साथ जारी युद्ध में स्पेसएक्स की स्टारलैंक और सैन्य उपयोग के लिए विकसित स्टारशील्ड सेवाएं यूक्रेन की संचार व्यवस्था के लिए

महत्वपूर्ण रही हैं। हाल में स्टारशील्ड सेवा पर लगाई गई गति संबंधी सीमाओं के कारण यूक्रेनी ड्रोन की कनेक्टिविटी प्रभावित हुई थी। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इससे वायु रक्षा अभियानों और सैन्य मिशनों में भी बाधा आई। शनिवार को सेवा बहाल होने की जानकारी दी गई। स्टारशील्ड पर प्रतिबंधों के बाद यूक्रेनी सैन्य अधिकारियों ने ड्रोन खोने और अभियान बाधित होने की शिकायत की थी। इस घटनाक्रम ने कीव और वाशिंगटन के बीच पहले से तनावपूर्ण संबंधों की और प्रभावित किया। जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि रूस ने पिछले एक सप्ताह में यूक्रेन के शहरों को निशाना बनाते हुए लगभग 2,300 हमलावर ड्रोन दगे। उन्होंने पश्चिमी सहयोगियों से ड्रोन और मिसाइलों को रोकने वाले इंटरसेप्टर जल्द उपलब्ध कराने की अपील की।

श्री राम जन्मभूमि मन्दिर में एक नवम्बर से बदलेगी श्रीरामलला की पूजा एवं दर्शन की दिनचर्या

प्रातः 4 बजे खुलेंगे पट, रात्रि 10 बजे होंगे बन्द; आरती, भोग एवं विश्राम के समय में भी परिवर्तन

अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि मन्दिर में विराजमान श्रीरामलला की दैनिक पूजा, आरती, भोग, विश्राम एवं दर्शन की समय-सारणी में ऋतु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए संशोधन किया गया है। यह परिवर्तन अगले माह एक नवंबर से अमल में लाया जाएगा। वर्तमान श्रीरामजन्मभूमि मन्दिर के पट प्रातः 3:45 बजे खुलते हैं और रात्रि 10:30 बजे बन्द होते हैं। एक नवंबर से लागू की जा रही नयी दिनचर्या में यह समय क्रमशः प्रातः 4 बजे और रात्रि 10 बजे होगा।



अर्चक प्रमुख आचार्य केशव जी ने बताया कि प्रातः 4 बजे पट खुलने के बाद 4:30 से 4:40 बजे तक मंगला आरती होगी। इसके उपरान्त प्रातः 4:40 से 6:30 बजे तक अभिषेक, श्रृंगार, धूप-दीप एवं नैवेद्य के लिये पट बन्द रहेंगे। प्रातः 6:30 बजे श्रृंगार आरती होगी तथा 7 बजे से श्रद्धालुओं के दर्शन प्रारम्भ होंगे।

प्रातः 8:00 से 8:10 बजे तक बालभोग के लिये पट बन्द रहेंगे। इसके बाद दर्शन 11:30 बजे तक जारी रहेंगे। 11:30 से दोपहर 12 बजे तक राजभोग तथा 12 बजे करीब दो घंटे तक टावर पर चढ़ी रही। रात्री 9:30 बजे शयन आरती होगी तथा 10 बजे मन्दिर के पट बन्द कर दिये जाएंगे। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट समाचार प्रबंधक सुभाष चंद्र सिंह ने बताया कि यह नयी व्यवस्था अगले माह एक नवंबर से अमल में लायी जाएगी।

1:35 बजे से दर्शन पुनः प्रारम्भ होंगे। सायं 4:00 से 4:10 बजे तक बालभोग के लिये पट बन्द रहेंगे। इसके बाद दर्शन सायं 6:45 बजे तक होंगे। 6:45 से 7 बजे तक धूप-दीप एवं नैवेद्य के उपरान्त सायं 7 बजे संध्या आरती होगी। रात्रि 8:00 से 8:30 बजे तक तथा 9:15 से 9:30 बजे तक धूप-दीप एवं नैवेद्य के लिये पट बन्द रहेंगे। शेष निर्धारित अवधि में दर्शन जारी रहेंगे। रात्रि 9:30 बजे शयन आरती होगी तथा 10 बजे मन्दिर के पट बन्द कर दिये जाएंगे। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट समाचार प्रबंधक सुभाष चंद्र सिंह ने बताया कि यह नयी व्यवस्था अगले माह एक नवंबर से अमल में लायी जाएगी।

प्रेमी से शादी करने की जिद में युवती फिर चढ़ी 150 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर

बिश्म संवाददाता

पलामू। प्रेमी से शादी करने की जिद में युवती रविवार को एक बार फिर करीब 150 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के पदमा सूर्य मंदिर के पास हुई इस घटना से इलाके में लगातार दूसरे दिन अफरा-तफरी मच गई। रविवार को युवती करीब दो घंटे तक टावर पर चढ़ी रही। ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों को उसे नीचे उतारने में काफी मशक्कत करना पड़ा। किशोरी की जिद है कि उसकी शादी गांव के उसी युवक से कराई जाए, जिससे वह प्रेम करती है। खास बात यह है कि शनिवार को टावर से उतरने के बाद शाम में युवती ने युवक पर शादी का झंझा देकर नौ राशेष करने का आरोप लगाते हुए मनातू थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। पुलिस ने प्राथमिकी के बाद युवक को गिरफ्तार कर लिया है। प्रेमी की गिरफ्तारी के बाद युवती एक बार फिर उसी मांग को लेकर टावर पर

चढ़ गई। इससे पुलिस और परिजनों की परेशानी बढ़ गई। रविवार को युवती के टावर पर चढ़ने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी विक्की कुमार सहित पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों ने उसे सुरक्षित नीचे उतारने के लिए काफी देर तक समझाने का प्रयास किया। वह अपनी मांग पर अड़ी रही। वह प्रेमी से शादी करने की मांग कर रही थी। इस घटनाक्रम के दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुटी रही। मातूम हो कि युवती शनिवार को भी प्रेमी से शादी करने की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गई थी। उस दिन करीब एक घंटे तक चले घटनाक्रम के बाद परिजनों, ग्रामीणों और पुलिस के समझाने पर वह नीचे उतरने के लिए राजी हुई थी। थाना प्रभारी विक्की कुमार ने बताया कि घटने में युवक और युवती बलियन पाए गए हैं। युवती के आवेदन पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है।